04 - जनसंख्या वृद्धि नहीं, नियंत्रण हल है

05 - चुनावी प्रक्रिया पर सवाल में सावधानी आवश्यक

A Daily News Magazine

भोपाल

सोमवार, 16 दिसंबर, 2024

06 - विशाल शोभायात्रा के साथ गीता ज्ञान सप्ताह शुरू

07 - नेशनल लोक अदालत का हुआ सफलतापूर्वक...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-106 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

मैं चाहता हूँ
मेरी कविता
आम आदमी के
घर घर जाये

मैं चाहता हूँ
मेरी कविता
निर्मल नदी-सी
गाँव गाँव बहती रहे

मैं चाहता हूँ
मेरी कविता
साँस साँस में
महकती रहे

मैं चाहता हूँ
मेरी कविता
ग्वालों की बाँसुरी में
बजती रहे

मैं चाहता हूँ
मेरी कविता
बिंबों के जाल में
न उलझ जाये।

-दुर्गाप्रसाद झाला

पहली बात

संघ-प्रमुख की धारणाओं को धार देता सुप्रीम कोर्ट का आदेश

उमेश त्रिवेदी
संपादक

9893032101

सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन पूजा-स्थल विशेष प्रावधान अधिनियम 1991 को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के दौरान मस्जिद-मजारों से जुड़े धार्मिक स्थलों के सर्वेक्षण पर लगी रोक ने देश की राजनीतिक धारा में खलबली मचा दी है। रोक स्थायी नहीं है, लेकिन इसे सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति के लिए गहरा झटका माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट व्दारा धार्मिक स्थलों के सर्वेक्षण पर रोक लगाने के बाद संघ प्रमुख मोहन भागवत के दो साल पुराने उद्बोधन की कतिपय सुर्खियां फिर प्रासंगिक हो उठी हैं, जिसमें उन्होने कहा था कि 'हर मस्जिद में हमें शिवलिंग क्यों देखना चाहिए'? सुप्रीम कोर्ट का यह अंतरिम आदेश संघ-प्रमुख की धारणाओं को धार देता महसूस हो रहा है। सवाल यही है कि क्या अंततः ऐसा हो सकेगा?

संघ-प्रमुख ने यह भाषण नागपुर में संघ शिक्षा वर्ग, तृतीय वर्ष 2022 के समापन समारोह मे दिया था। हर मस्जिद में शिवलिंग देखने की आवश्यकता पर सवाल उठाते हुए उन्होने कहा था 'आरएसएस इन मुद्दों पर कोई अन्य आंदोलन शुरू करने के पक्ष में नहीं है।' संघ प्रमुख की स्पष्टोक्तियों के बावजूद मंदिर-मस्जिद के नए 'हॉट-स्पॉट' ढूंढने के मसलों में हिंदू-संगठनों की सक्रियता चौंकाने वाली रही है। हिंदू-संगठनों ने देश की विभिन्न अदालतों मे ऐसे 18 मुकदमें दायर कर रखे हैं। इनमें से 10 मस्जिदों से जुड़े हैं।

उत्तर प्रदेश के संभल की जामा मस्जिद के नीचे मंदिर की तलाश के लिए सर्वेक्षण की प्रक्रिया के बाद मचा बवाल हिंदू-संगठन की न्यायिक सक्रियता का ताजा उदाहरण है। जामा मस्जिद के नीचे मंदिर की तलाश बाद दंगों की हिंसक घटनाओं में मौतों ने सबको दहला सा दिया है। यह सब कुछ अनपेक्षित था। सिलसिला रूक नहीं रहा है। संभल की जामा मस्जिद के अनसुलझे मुद्दे के साथ ही यह दावा भी सामने आ गया की विश्व प्रसिद्ध अजमेर के ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह के नीचे मंदिर था। अजमेर की सिविल कोर्ट ने यह याचिका सुनवाई के लिए स्वीकार भी कर ली है। इसमें संबंधित पक्षों को नोटिस जारी हो चुके हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि दरगाह की जमीन पर शिव-मंदिर था और यहां जलाभिषेक जैसे अनुष्ठान किए जाते रहे हैं।

मस्जिद और मजारों के नीचे मंदिरों को तलाशने वाली हिंदू-संगठनों की न्यायिक सक्रियता संघ-प्रमुख की तकरीरों को नकारती सी लगती है। यह सक्रियता विपक्षी दलों के लिए संघ-प्रमुख और भाजपा के खिलाफ धारदार औजार हैं। विपक्षी 'कथनी और करनी' में फर्क को लेकर संघ-प्रमुख की गंभीरता सवालों के घेरे में खड़ा करते रहे हैं। देश में विभिन्न विधानसभा चुनावों के दौरान,और अन्यथा भी विपक्षी दल यह मुद्दा लगातार उठाते रहे हैं।।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का कहना था भाजपा देश में मस्जिदों का सर्वेक्षण करवा कर संघ प्रमुख की सलाहों की अवहेलना कर रही है, क्योंकि हिंदू-मुस्लिम के बीच ध्रुवीकरण के बगैर वह चुनाव जीत ही नहीं सकती है। खड़गे का आरोप है कि मोहन भागवत सार्वजनिक रूप से भले ही कुछ कहें, लेकिन वो भाजपा नेताओं से इन दिशा में अनुशासन रखने के मामले में कुछ नहीं कहते हैं। खड़गे यह भी पूछते हैं कि क्या प्रधानमंत्री लाल किला, ताज महल, कुतुब मीनार या चारमीनार जैसी संरचनाओं को भी ध्वस्त करेंगे, जिन्हें मुसलमानों ने बनाया है। खड़गे के आरोप अपनी जगह हैं, लेकिन इस कथित अनसुनी की एक राजनीतिक व्याख्या यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह निरंकुश हो चुके हैं।

विपक्षी भले ही इस मसले में भाजपा और आरएसएस के बीच दरार ढूंढने का काम करें, लेकिन 2022 में सम्पन्न संघ शिक्षा वर्ग के समापन समारोह में संघ प्रमुख के भाषण के टेक्स्ट महत्वपूर्ण है। इसमें 'बिटवीन द लाइंस' अल्पसंख्यकों के लिए कई संदेश और मशविरे हैं। इसके राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मायने गहरे हैं। इसमें दिशाबोध का भाव भी है। यह चिंता भी है कि देश की सियासत में सांप्रदायिकता पर अंकुश लगे। संघ-प्रमुख ने कहा था कि 'ज्ञानवापी विवाद में आस्था के कुछ मुद्दे इतिहास से जुड़े हैं,और इस पर अदालत का फैसला सभी को स्वीकार करना चाहिए। ज्ञानवापी का एक इतिहास है,जिसे हम बदल नहीं सकते। वह इतिहास, जिसे न आज के हिंदुओं ने बनाया है और ना ही आज के मुसलमानों ने बनाया है। यह एक दुर्घटना थी। यह इतिहास इस्लाम के आक्रमणकारियों के साथ यहां आया था। इन हमलो में देश की स्वतंत्रता चाहने वालों का मनोबल तोड़ने के लिए मंदिरों को नष्ट किया गया था। ऐसे हजारों मंदिर हैं। हिंदुओं के दिलों में विशेष महत्व रखने वाले मंदिरों के मुद्दे अब उठाए जा रहे हैं।' हिंदुओं का एकवर्ग मानता है कि इन मंदिरों का पुनर्निर्माण होना चाहिए। लेकिन रोज एक नया मामला निकालने की वृत्ति ठीक नहीं है। हमें झगड़ा क्यों बढ़ाना चाहिए'?

भागवत ने कहा कि ज्ञानवापी के मामले में हमारी लंबी श्रद्धा-परम्परा अपनी जगह है। वह ठीक है, लेकिन हर मस्जिद में शिवलिंग क्यों देखना चाहिए?' मस्जिदों में जो होता है, वह भी एक तरह की प्रार्थना है, भले ही वह प्रार्थना बाहरी हो, लेकिन जिन मुसलमानो ने उसे अपनाया है वो तो बाहरी नही हैं। उन्हे यह समझने की जरूरत है कि वे चाहें तो हम इसे जारी रखने के पक्ष में हैं, हमें इसमे कोई दिक्कत नहीं है। संघ प्रमुख ने स्पष्ट कहा कि 'हिंदू मुसलमानों के विरोधी नहीं हैं। मुसलमानों के पूर्वज भी हिंदू थे।'

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में 9 नवम्बर 2019 के दिन अयोध्या के राम-मंदिर फैसले के बाद भी मोहन भागवत ने स्पष्ट कहा था कि 'संघ मथुरा और काशी से दूर रहेगा और चरित्र निर्माण पर ध्यान केन्द्रित करेगा।' 'राम जन्म भूमि आंदोलन के अपने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक कारण थे, जिनकी वजह से आरएसएस ने अपने स्वभाव के विपरीत इस आंदोलन में भाग लिया था। हमने वह काम पूरा कर लिया है, अब हम कोई नया आंदोलन शुरू नहीं करना चाहते।'

सुप्रीम कोर्ट का आदेश संघ प्रमुख की मान्यताओं और धारणाओं को अमली जामा बनाने का रास्ता बनाता प्रतीत हो रहा है। खैरियत है कि सुप्रीम कोर्ट में जब तक पूजा स्थल अधिनियम 1991 की वैधानिकता पर निर्णय नहीं होता, तब तक ऐसे विवादों पर रोक लगी रहेगी। अपेक्षा तो यही है कि देश को सांप्रदायिकता की आग में झुलसने से बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट महती भूमिका का निर्वाह करेगा। इसके बाद हर मंदिर के नीचे शिवलिंग खोजने के सिलसिले पर विराम लगेगा और मंदिर-मस्जिद के मुद्दे सियासत में हमेशा के लिए दफ्न हो जाएगे।

संभल में हिंदुओं के नरसंहार पर भड़के मुख्यमंत्री योगी

● 46 साल से बंद मंदिर पर बोले-उन दरिंदों को सजा क्यों नहीं मिली

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल के मुद्दे पर विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने 46 साल से बंद पड़े प्राचीन मंदिर का मुद्दा उठाते हुए कहा कि विपक्षी दल संसद में संभल का राग अलापते हैं लेकिन उनके समय में नरसंहार करने वाले

दरिंदों को सजा क्यों नहीं मिली। योगी ने कहा कि आखिर प्राचीन मूर्ति रातों-रात तो आई नहीं है। सीएम योगी ने रविवार को लखनऊ में कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए कहा, संसद में कल चर्चा संविधान की हो रही थी लेकिन मुद्दा संभल का उठ रहा था। विपक्ष संभल का राग अलापता है और इधर संभल में इन्हीं के समय में 46 वर्ष पहले जिस मंदिर को बंद कर दिया गया था, वो सबके सामने आ गया।

सर्द हवाओं से सिहरन, 'माइनस' की ओर पारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के राज्यों में तेज ठंड का दौर जारी है। उत्तर प्रदेश में 20 साल बाद दिसंबर के दूसरे ही हफ्ते में कोल्डवेव चल रही है। अमूमन यहां तीसरे या चौथे हफ्ते में शीतलहर

● ओडिशा में तापमान माइनस 10 डिग्री, जम रहा पानी

● एमपी-राजस्थान के 4 शहरों में 2 डिग्री से नीचे पारा

चलती है। तेज सर्दी के कारण शनिवार को चित्रकूट के एक किसान की मौत हो गई। ओडिशा में भी ठंड और कोल्डवेव के कारण मयूरभंज में तापमान -10 डिग्री तक पहुंच गया। यहां पेड़ के पत्तों पर ओस की बूंद जमने लगी है। मध्य प्रदेश में

यूपी के बुरे हाल, ठंड का 20 साल का रिकॉर्ड टूटा

सबसे कम तापमान शहडोल में 1.5 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में भी रात का पारा 4 डिग्री से कम पहुंच गया। मौसम विभाग ने कहा- दिसंबर में 10 साल में दूसरी बार इतना कम पारा दर्ज किया गया। राजस्थान में 11 शहरों में सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया है। एमपी और राजस्थान के कुल 15 शहरों में शनिवार को तापमान 4 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने कहा है कि इन राज्यों में 2-3 दिन तक ठंड का दौर जारी रहेगा। रविवार को बिहार-हरियाणा समेत 14 राज्यों में कोल्डवेव का अलर्ट है। पंजाब और यूपी में सीवियर कोल्डवेव की चेतावनी जारी की गई है। जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में तापमान माइनस में बना हुआ है। मौसम विभाग ने बताया कि बर्फबारी के कारण यहां न्यूनतम तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। जोजिला में टेम्परेचर माइनस 22 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, श्रीनगर में माइनस 3.4 डिग्री, पहलगाम में माइनस 4.0, गुलमर्ग में माइनस 3.8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

उप राष्ट्रपति धनखड़ ने ग्वालियर में किया देश के पहले जियो साइंस म्यूजियम का उद्घाटन

पृथ्वी एवं मानव जाति की उत्पत्ति और विकास की अनूठी जानकारियां उपलब्ध हैं म्यूजियम में

भोपाल (नप्र)। उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने ग्वालियर में देश के पहले जियो साइंस म्यूजियम (भू-विज्ञान संग्रहालय) का रविवार को उद्घाटन किया। ग्वालियर के ऐतिहासिक महाराज बाड़ा पर हैरीटेज बिल्डिंग विक्टोरिया मार्केट में स्थापित अत्याधुनिक जियो साइंस म्यूजियम के उद्घाटन अवसर पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय संचार व पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केन्द्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे, विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, ग्वालियर जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट एवं सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह भी मौजूद थे। इस अवसर पर उप राष्ट्रपति की धर्मपत्नी श्रीमती सुदेश धनखड़ विशेष रूप से उपस्थित रही।

उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ ने पट्टिका का अनावरण कर एवं म्यूजियम के प्रवेश द्वार पर फीता काटकर देश के पहले अत्याधुनिक जियो साइंस म्यूजियम का उद्घाटन किया। साथ ही ग्वालियर वासियों को इस अनूठी सौगात की बधाई एवं शुभकामनायें दीं। उन्होंने सभी अतिथियों के साथ म्यूजियम की विभिन्न गैलरियों में दर्शाए गए भू-विज्ञान से संबंधित चित्रों, कलाकृतियों एवं जानकारियों को देखा एवं म्यूजियम की सराहना की।

म्यूजियम के उद्घाटन के बाद उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ ने महाराज बाड़ा पर स्थित वास्तु शिल्प के उत्कृष्ट नमूनों के रूप में खड़ी ऐतिहासिक इमारतों को भी देखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया एवं विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने उप राष्ट्रपति को महाराज बाड़े की इमारतों के शिल्प एवं शैलियों से अवगत कराया।

राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद द्वारा ग्वालियर नगर निगम के सहयोग से तैयार किए गए देश के इस पहले अत्याधुनिक एवं अद्भुत जियो साइंस म्यूजियम में पृथ्वी की उत्पत्ति, मानव जाति एवं मानव सभ्यता का विकास और ब्रम्हाण्ड से जुड़ीं अनूठी जानकारियाँ समाहित हैं। म्यूजियम में डायनासोर का अण्डा सहित कीमती वस्तुएँ पर्यटकों को देखने के लिये उपलब्ध हैं। यह म्यूजियम भू-विज्ञान से संबंधित बच्चों से लेकर बड़ों तक की जिज्ञासाओं का समाधान उपलब्ध है। साथ ही वैज्ञानिक दृष्टि से भी यह संग्रहालय ज्ञानवर्धक है।

मानव सभ्यता के विकास की गाथा बयां कर रही है दूसरी गैलरी

जियो साइंस म्यूजियम की दूसरी गैलरी में मानव जाति और मानव सभ्यता के विकास को बड़े बखूबी ढंग से प्रदर्शित किया गया है। इसमें यह भी दर्शाया गया है कि धरती पर डायनासोर की उत्पत्ति और विलुप्ति हुई। साथ ही मानव की उत्पत्ति कैसे हुई और कैसे उसका जीवनक्रम आगे बढ़ा। मानव सभ्यता की जीवन शैली में आए बदलाव का यह वर्णन भी दर्शनीय है।

कार्यक्रम में इनकी भी रही मौजूदगी

जियो साइंस म्यूजियम के उदघाटन कार्यक्रम में भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक श्री असित साहा, संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री, पुलिस महानिरीक्षक श्री अरविंद सक्सेना, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री अमन वैष्णव एवं जियो लॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के अधिकारी भी मौजूद थे।

आज नहीं पेश होगा वन नेशन, वन इलेक्शन बिल

लोकसभा की रिवाइज्ड लिस्ट से हटाया गया,शीतकालीन सत्र का 20 दिसंबर को आखिरी दिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। वन नेशन, वन इलेक्शन बिल लोकसभा में सोमवार, यानी 16 दिसंबर को पेश नहीं किया जाएगा। इससे जुड़े दोनों बिल को लोकसभा की रिवाइज्ड लिस्ट से हटा दिया गया है। इससे पहले 13 दिसंबर के कैलेंडर में कहा गया था कि सोमवार को बिल लोकसभा में रखा जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, अब फाइनेंशियल बिजनेस के पूरा होने के बाद बिल सदन में पेश किया जाएगा। हालांकि, सरकार बिल को आखिरी समय में भी लोकसभा स्पीकर की परमिशन के बाद सप्लीमेंट्री लिस्टिंग के जरिए सदन में पेश कर सकती है। कैबिनेट ने 12 दिसंबर को बिल की मंजूरी दी थी। लोकसभा में 13 और 14 दिसंबर को संविधान पर चर्चा हुई थी। अब तक प्रधानमंत्री

मोदी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और राजनाथ सिंह इस पर बोल चुके हैं। 16 और 17 दिसंबर को अब राज्यसभा में संविधान पर चर्चा होगी। संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर को शुरू हुआ था, जो 20 दिसंबर को खत्म होगा। रामनाथ कोविंद ने 14 मार्च को रिपोर्ट सौंपी थी एक देश-एक चुनाव पर विचार के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 2 सितंबर 2023 को एक कमेटी बनाई गई थी। कमेटी ने करीब 191 दिनों में 14 मार्च 2024 को अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी थी। बिल के जरिए प्रावधान किया जाएगा कि आम चुनाव के बाद लोकसभा की पहली बैठक की तारीख पर राष्ट्रपति नोटिफिकेशन जारी करेंगे।

हम बहुसंख्यक बनेंगे, न्याय के लिए मोमबत्ती नहीं जलानी पड़ेगी

● बंगाल के मंत्री के बयान पर कोहराम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में ममता सरकार के मंत्री फिरहाद हकीम के एक बयान पर विवाद हो गया है। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फिरहाद ने कहा कि आज मुस्लिम भले ही अल्पसंख्यक हों, लेकिन समय आएगा जब हम भी बहुसंख्यक होंगे। हमें न्याय के लिए मोमबत्ती नहीं जलानी पड़ेगी। फिरहाद के इस बयान पर भाजपा ने आपत्ति जताई है। भाजपा के आईटी सेल प्रभारी अमित मालवीय ने हकीम के बयान की आलोचना की। मालवीय ने कहा- हकीम का यह बयान शरिया कानून के समर्थन की तरफ इशारा कर रहा है। फिरहाद हकीम 13 दिसंबर को कोलकाता में अल्पसंख्यक छात्रों से जुड़े एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 18 °c

न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ सोमवार, 16 दिसंबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

अगले 'परिसीमन' पर टकराव के बन रहे आसार

● दक्षिण के राज्य सबसे ज्यादा नाराज, होगा नुकसान ● बीजेपी की सहयोगी टीडीपी ने भी खड़े किए सवाल

अमरावती (एजेंसी)। बीजेपी के सहयोगी दल टीडीपी सांसद लवू श्रीकृष्ण देवरायल ने लोकसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान कहा कि अलगे परिसीमन से दक्षिण के राज्यों को नुकसान होने वाला है। उन्होंने कहा कि परिसीमन का लाभ उत्तर भारत को मिलेगा। उन्होंने कहा कि अगर जनसंख्या के आधार पर परिसीमन की प्रक्रिया होती है तो यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे प्रदेशों में लोकसभा सीटों की संख्या 169 से बढ़कर 324 हो जाएगी। वहीं आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक में केवल 129 से 164 सीटें हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि एक संघ के हित के लिए यह सही नहीं है। जिन राज्यों में जनसंख्या कम हुई है उन्हें भी परिसीमन का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि विधानसभा में पास हुए विधेयकों की मंजूरी की भी सीमा नहीं तय करनी चाहिए। दरअसल अगलो लोकसभा चुनाव 2029 में होना है और इसे

बढ़ी हुई सीटों के साथ कराने का प्लान तैयार किया जा रहा है। परिसीमन कानून के मुताबिक 2026 तक लोकसभा की सीटें नहीं बढ़ाई जा सकतीं। इसके बाद जनगणना के आधार पर परिसीमन करवाया जा सकता है। संभवना है कि 2027 की जनगणना के बाद परिसीमन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इससे पहले 2008 में लोकसभा सीटों का परिसीमन किया गया था। पहले माना जा रहा था कि 2031 में जनगणना के बाद ही परिसीमन होगा। हालांकि अगर 2021 वाली जनगणना 2027 में कराई जाती है तो इसके बाद परिसीमन किया जा सकेगा। माना जा रहा है कि 2029 में लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़कर साढ़े सात सौ के करीब हो जाएंगी।

अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली, आतिशी कालकाजी से लड़ेंगी चुनाव

● सभी 70 सीटों पर एएपी कैंडीडेट घोषित, 26 विधायकों के टिकट काटे, 4 की सीट बदली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी की चौथी और आखिरी लिस्ट आ गई है। इसमें 38 नाम हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली से चुनाव लड़ेंगे। सीएम आतिशी को कालकाजी से उम्मीदवार बनाया गया है। सौरभ भारद्वाज ग्रेटर कैलाश, सत्येंद्र जैन शकूर बस्ती से चुनाव लड़ेंगे। एएपी ने 21 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच यानी

25 दिनों में कुल 4 लिस्ट में 70 प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं। इस बार 26 मौजूदा विधायकों के टिकट काटे गए हैं। 4 विधायकों की सीट बदली गई है। इनमें मनीष सिसोदिया की सीट पटपड़गंज से जंगपुरा, राखी बिडलान की मंगोलपुरी से मादीपुर, प्रवीण कुमार की जंगपुरा से जनकपुरी और दुर्गेश पाठक की करावल नगर से राजेंद्रनगर सीट बदली गई है। 2020 में राघव चड्ढा राजेंद्रनगर से विधायक बने थे। 2022 में उनके राज्यसभा जाने के बाद से यह सीट खाली है।

जियाउर्रहमान के बाद अब इकबाल के इलाके में गरजा बुलडोजर

● संभल में यूपी सरकार के एक्शन से मचा हड़कंप, राजनीति भी शुरू

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवंबर को भड़की हिंसा के बाद लगातार ऐक्शन जारी है। संभल हिंसा के आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। तीन दर्जन से अधिक आरोपी अब तक पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं। वहीं, अब संभल के विभिन्न इलाकों में बुलडोजर गरज रहा है। दरअसल, संभल प्रशासन की ओर

से अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत अवैध निर्माणों को ढहाने की कार्रवाई हो रही है। प्रशासन और पुलिस की टीम लगातार एक्शन मोड में दिख रही है। संभल में पिछले दिनों सपा सांसद जियाउर रहमान बर्क के इलाके में बुलडोजर ऐक्शन हुआ। इस दौरान एक जगह से मंदिर मिलने की खबर सामने आई। वहीं, अब रविवार को समाजवादी पार्टी विधायक इकबाल महमूद के इलाके में बुलडोजर गरजा है। प्रशासन की टीम बुलडोजर के साथ अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत इलाके में पहुंची। संभल में चल रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर प्रशासन की ओर से कहा गया है कि यह कानून सम्मत कार्रवाई है।

भारत में ही बैठे-बैठे लोगों को गायब करवा रहीं शेख हसीना

● यूनुस सरकार के जांच आयोग ने लगाए आरोप, 3500 मामले आए सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार द्वार गठित जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर बड़ा खुलासा किया है। जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि उसे लोगों को कथित रूप से गायब किए जाने की घटनाओं में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की संलिप्तता का पता चला है। लोगों के लापता होने की घटनाओं की जांच के

लिए गठित आयोग ने अनुमान लगाया है कि ऐसे मामलों की संख्या 3500 से ज्यादा है। कार्यवाहक प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस के मुख्य सलाहकार के कार्यालय की प्रेस शाका ने शनिवार रात एक बयान में कहा कि आयोग को इस बात के साथ मिले हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के निर्देश पर लोगों को गायब किया गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अपदस्थ प्रधानमंत्री के रक्षा सलाहकार मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) तारिक अहमद सिद्दीकी, राष्ट्रीय दूरसंचार निगरानी केंद्र के पूर्व महानिदेशक और बर्खास्त मेजर जनरल जियाउल अहसन, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मोनिरुल इस्लाम एवं मोहम्मद हारुन ओर रशीद और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इन घटनाओं में शामिल पाए गए।

2034 तक नहीं हो पाएंगे एक साथ चुनाव!

● 'वन नेशन, वन इलेक्शन' बिल के बाद भी हैं कई पड़ाव बाकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ करवाने की ओर मोदी सरकार तेजी से कदम बढ़ा रही है। कैबिनेट से मंजूरी के बाद विधेयक को संसद के शीत सत्र के दौरान ही लोकसभा में पेश कर दिया जाएगा। बता दें कि एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर मोदी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में समिति बनाई थी। 14 मार्च को समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। एकसाथ चुनाव कराने के लिए प्रस्तावित विधेयक में संकेत यही मिलता है कि यह प्रक्रिया 2034 से लागू की जाएगी। विधेयक की कॉपी की बात करें तो अगर किसी लोकसभा या विधानसभा में समय से पहले चुनाव करना है तो संसद या फिर विधानसभा को भंग करना पड़ेगा। विधेयक में आर्टिकल 82 (ए) को शामिल करने का प्रस्ताव है जिसके तहत सभी विधानसभाओं और लोकसभा के चुनाव साथ में कराए जाएंगे। इसके अलावा आर्टिकल 83 में भी संशोधन करना पड़ेगा। इसमें संसद के सदनों के कार्यकाल की बात कही गई है। इसके अलावा आर्टिकल 172 और 327 में भी संशोधन करना होगा। इन आर्टिकल में विधानसभा के चुनाव के बारे में संसद को नियम बनाने का अधिकार दिया गया है। गुरुवार को केंद्रीय कैबिनेट में 129वें संविधान संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी थी। जानकारी के मुताबिक आम चुनाव के बाद लोकसभा की पहली बैठक के दौरान राष्ट्रपति ही एक राष्ट्र एक चुनाव के समय का ऐलान करेंगे। इसका मतलब यह तारीख 2929 के लोकसभा चुनाव के बाद निर्धारित की जाएगी। ऐसे में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ 2034 से पहले नहीं शुरू हो पाएंगे। सरकार लोकसभा में वित्तीय अनुदान संबंधी कामकाज पूरा करने के बाद 'एक राष्ट्र एक चुनाव' से संबंधित विधेयकों को पेश करेगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इससे पहले, दो विधेयक - संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और संघ राज्यक्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक - सोमवार को लोकसभा में पेश किए जाने के लिए सूचीबद्ध थे। सरकारी सूत्रों ने बताया कि सोमवार के लिए सूचीबद्ध अनुदानों की अनुपूरक मांगों के पहले बैच को सदन द्वारा पारित किए जाने के बाद ये विधेयक इस सप्ताह बाद में पेश किए जा सकते हैं। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी संशोधित कार्यसूची में सोमवार के एजेंडे में ये दोनों विधेयक शामिल नहीं हैं।

भारत को जल्द मिलने वाली है नक्सलवाद से मुक्ति : शाह

केन्द्रीय गृहमंत्री का बड़ा ऐलान, तारीख भी बताई

रायपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को इस बात को फिर से दोहराया कि 31 मार्च 2026 तक भारत नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। एक निजी कार्यक्रम में बोलते हुए शाह ने कहा कि नक्सलवाद ने देश के कई हिस्सों में विकास को सालों तक अवरुद्ध किया है। गृह मंत्री ने सरकार के प्रयासों को रेखांकित करते हुए कहा कि बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्य अब इस प्रभाव से मुक्त हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में केवल दो जिले ही नक्सल प्रभावित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की हालिया चुनावी जीत नक्सल विरोधी प्रयासों को और मजबूत करेगी। अमित शाह छत्तीसगढ़ के एक नक्सल प्रभावित क्षेत्र में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक कैम्प का दौरा करने वाले हैं जहां वह रात बिताएंगे। जब उनसे इस दौरे की महत्वता के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा,यह पहली बार नहीं

है जब मैं ऐसे कैम्पों का दौरा कर रहा हूं। अब भाजपा के सरकार बनाने के बाद हमारे समन्वय में सुधार हुआ है। उन्होंने नक्सलवाद के खिलाफ प्रगति का श्रेय इन प्रयासों को दिया और कहा एक साल के भीतर 900 से अधिक लोग गिरफ्तार किए गए हैं। 600 से ज्यादा ने आत्मसमर्पण किया है। 300 से ज्यादा मुठभेड़ों में मारे गए हैं।

महाराष्ट्र में देवेन्द्र फड़णवीस मंत्रिमंडल का विस्तार

● भाजपा से पकंजा मुंडे, बावनकुले और नितेश राणे बन गए मंत्री

सीएम समेत 42 मंत्री, इनमें 1 मुस्लिम, 4 महिलाएं, 1 सीट खाली

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का पहला विस्तार रविवार को नागपुर में हुआ। इसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले समेत 33 कैबिनेट मंत्रियों ने शपथ ली। इनमें भाजपा के दिवंगत नेता गोपीनाथ मुंडे की बेटी पंकजा और उनके चचेरे भाई धनंजय शामिल रहे। एनसीपी की ओर से हसन मुश्रिफ एकमात्र मुस्लिम फेस हैं, जबकि 4 महिलाएं मंत्री बनाई गईं। इनके अलावा 6 राज्यमंत्रियों ने भी शपथ ली। 288 सदस्यों वाली महाराष्ट्र विधानसभा में 15 फीसदी यानी 43 सदस्य ही मंत्री बन सकते हैं।

सीएम फडणवीस और डिप्टी सीएम शिंदे-पवार समेत अब 42 मंत्री हो चुके हैं। महाराष्ट्र में 33 साल बाद कैबिनेट विस्तार और शपथ ग्रहण राज्य की उप-राजधानी में हुआ है। इससे पहले 21 दिसंबर 1991 को कांग्रेस के सीएम सुधाकरराव नाइक के मंत्रिमंडल

का विस्तार नागपुर में हुआ था। कार्यक्रम में 39 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली।

इससे पहले नाराज शिवसेना विधायक नरेंद्र भेंडिकर ने विधानसभा उपनेता पद से इस्तीफा दिया। शपथ लेने वालों में चंद्रशेखर बावनकुले, नितेश राणे और पंकजा मुंडे समेत भाजपा के दिग्गज नेताओं ने शपथ ली। शिवसेना की तरफ से गुलाबराव पाटिल, भारत गोगवले, संजय शिरसाट ने शपथ ली। एनसीपी की तरफ से धनंजय मुंडे और हसन मुश्रिफ समेत कई दिग्गजों को मंत्री बनाया गया है। हालांकि मंत्रिमंडल विस्तार से पहले नाराजगी की खबरें भी सामने आईं। शिवसेना नेता नरेंद्र भेंडिकर ने मंत्री पद न मिलने से विधानसभा उपनेता पद से इस्तीफा दे दिया। एनसीपी के अजित पवार ने शपथग्रहण से ठीक पहले कहा है कि आज शपथ लेने वाले मंत्रियों का कार्यकाल ढाई साल का होगा। महायुति के सभी विधायकों पर ये नियम लागू होगा। इसके बाद नए चेहरों को मौका दिया जाएगा। अब जानकारी के लिए बता दें कि शिवसेना को शहरी विकास, आवास, उद्योग, स्वास्थ्य, परिवहन, पर्यटन, आईटी, मराठी भाषा और एमएसआरडीसी विभाग मिल सकता है।

वहीं एनसीपी को वित्त, सहकारिता और खेल विभाग मिलने का अनुमान है। बीजेपी गृह, राजस्व, बिजली, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा और चिकित्सा शिक्षा और सिंचाई मंत्रालय अपने खाते में रखेगी। वैसे आदित्य ठाकरे ने तो फडणवीस से अपील की थी, कुछ चेहरों को अपने मंत्रिमंडल से दूर रखें।

भैंस को बचाने की कोशिश में पलटी ट्रैक्टर-ट्रॉली, चार लोगों की मौत

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से चार लोगों की मौत हो गई। हादसा ग्वालियर के घाटीगांव क्षेत्र में शनिवार रात को हुआ, जिसमें कई लोग घायल भी हुए हैं। घायलों को जिला प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारियों द्वारा जेएएच के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

शतावरी की जड़ खोदने गए थे जंगल- जानकारी के अनुसार सहारिया आदिवासी समुदाय के 31 लोग शाम 4 बजे पई खो गांव से जंगल में शतावरी वन औषधि की जड़ खोदने के लिए ट्रैक्टर से गए थे। जड़ खोदने के बाद उसको ट्राली में भरकर सभी लोग अपने गांव कैथ थाना घाटीगांव आ रहे थे।

ट्रैक्टर के सामने आई भैंस- रास्ते में आंतरी तिलावली तिराहे के पास रात 9 बजे के करीब सामने एक भैंस आ गई जिसको बचाने की कोशिश में ड्राइवर ने स्टीयरिंग मोड़ दी और ट्राली अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना 4 लोगों की मौत हो गई। मरने वाले चारों लोग कैत गांव के रहने वाले थे।

प्रशासन ने दिए हर संभव मदद के निर्देश- घटना की सूचना जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी तत्काल घायलों की मदद के लिए पहुंचे। कलेक्टर रुचिका चौहान ने ट्रामा सेंटर पहुंचकर घायलों का बेहतर से बेहतर इलाज का इंतजाम करने के निर्देश अस्पताल प्रबंधन को दिए। कलेक्टर ने मृतकों के आश्रितों को शासन के प्रावधानों के तहत हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं।

जान गवांने वाले लोग- मृतकों के नाम फूलवती पत्नी पप्पू आदिवासी उम्र 45 साल निवासी कैत थाना घाटीगांव , रामदास आदिवासी उम्र 46 साल निवासी केंत घाटीगांव , अरुण पिता रामदास आदिवासी उम्र 14 साल निवासी कैत एवं कस्तूरी बाई पति जंगलिया आदिवासी उम्र 65 साल निवासी कैत हैं।

कॉमेडियन सुनील पाल को किडनैप करने वाले का एनकाउंटर

● मेरठ में दरोगा की पिस्टल छीनकर गाड़ी से कूदा

मेरठ (एजेंसी)। कॉमेडियन सुनील पाल और एक्टर मुश्ताक खान किडनैप मामले में गिरफ्तार अर्जुन कर्णवाल ने रविवार को पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की। मेडिकल चेकअप के लिए ले जाते समय वह दरोगा की पिस्टल छीनकर गाड़ी से कूद गया और पुलिस पर फायरिंग कर दी। क्रॉस फायरिंग में उसके पैर में गोली लगी। अर्जुन को पुलिस ने शनिवार रात पकड़ा था। उसके पास से किडनैप में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो कार, 2 लाख रुपए और फिरौती में इस्तेमाल किया गया मोबाइल मिला था।

अनशन तोड़ने को तैयार नहीं हैं किसान नेता डल्लेवाल

हालत हुई गंभीर, केन्द्रीय अफसर मिलने पहुंचे, सरकार भी ऐक्टिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। शंभू बॉर्डर पर डटे किसानों ने शनिवार को दिल्ली कूच करने की कोशिश की। प्रशासन की सख्ती की वजह से किसान आगे नहीं बढ़ पाए। पुलिस ने किसानों पर आंसू गैस और वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया।। किसानों का कहना है कि अब वे 16 दिसंबर को ट्रैक्टर मार्च करेंगे। वहीं खनौरी बॉर्डर पर किसान

● गृह मंत्रालय ने ली मांगों की लिस्ट, अब बड़ी घोषणा का इंतजार

नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल 20वें दिन भी आमरण अनशन कर रहे हैं। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने कहा, हम यही आश्वासन देने की कोशिश कर रहे हैं कि किसानों की सरकार से बातचीत का रास्ता खुलेगा और उनकी मांगें भी पूरी होंगी। उन्होंने कहा, हमने जगजीत सिंह डल्लेवाल और अन्य किसान नेताओं से अपील की। इसके अलावा उनकी चिकित्सा सुविधा का इंतजाम किया गया। यादव ने कहा, हम उनके साथ मिलकर इस मामले को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। डल्लेवाल ने हमसे कहा कि हमारी मांगों को सरकार के सामने रखा जाए। वहीं गृह मंत्रालय में डायरेक्टर मयंक मिश्रा ने किसानों से मुलाकात के बाद कहा, हमने किसानों की मांगों की सूची ले ली है और हमें सुप्रीम

कोर्ट के निर्देशों का भी पालन करना है। पंजाब के डीजीपी ने कहा, हमने किसान नेता डल्लेवाल की स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। हमने उन्हें सीएम भगवंत मान का संदेश दिया है कि मुख्यमंत्री उनको लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि जगजीत सिंह डल्लेवाल का जीवन कीमती है। डल्लेवाल 26 नवंबर से खनौरी बॉर्डर पर अनशन पर बैठे हुए हैं।

सड़क निर्माण ऐसे हो कि वर्षा का पानी सड़क से घरों में नहीं जाए : राज्य मंत्री श्रीमती गौर

भोपाल (नप्र)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने रविवार को गोविंदपुरा क्षेत्र के आनंद नगर में ऋषिपुरम, मानक विहार, हथाईखेड़ा खेड़ा में सड़क निर्माण का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण एजेंसी को निर्देश दिये कि सीसी रोड का निर्माण करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि वर्षा का पानी सड़क से रहवासियों के घरों में नहीं जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए सड़क के दोनों तरफ नाली बनाए और पेपर ब्लॉक लगाये जाये। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने बताया कि 15 करोड़ की लागत से सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है इसमें एक किलोमीटर की सीसी रोड और लगभग 3 किलोमीटर की डामर रोड बनाई जाएगी। साथ ही हथाईखेड़ा का ब्रिज भी नया बनाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान स्थानीय जन प्रतिनिधि, सड़क निर्माण एजेंसी के अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

ग्रामीणों को उनके नजदीकी स्थान पर ही मिलेंगी स्वास्थ्य सुविधाएँ

- स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने पचामा में उप स्वास्थ्य केन्द्र का किया लोकार्पण

भोपाल (नप्र)। परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि प्रदेश में नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा उनके ग्राम में ही मिले, इसके लिये राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं का ग्रामीण स्तर पर तेजी से विस्तार कर रही है। मंत्री श्री सिंह शनिवार को नरसिंहपुर के गाडरवारा के ग्राम पचामा में 49 लाख रुपये की लागत से निर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि राज्य सरकार के एक वर्ष पूरा होने पर प्रदेश में जन-कल्याण पर्व मनाया जा रहा है। इस दौरान नागरिकों की समस्याओं का निराकरण उनके ही गाँव में किया जायेगा। उन्होंने कहा कि उप स्वास्थ्य केन्द्र बन जाने से ग्रामीणों को ब्लड-प्रेशर, शुगर, खून की जाँच, गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण और टीकाकरण जैसे कामों के लिये दूर नहीं जाना पड़ेगा। उप स्वास्थ्य केन्द्र में मरीजों को निःशुल्क दवाइयाँ भी उपलब्ध रहेंगी। इस मौके पर पंचायत पदाधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सरदार पटेल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारत के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, भारत रत्न, लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्र भारत को एकता और अखंडता के सूत्र में पिरोने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल ने विविधता को ताकत बनाते हुए विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने संवैधानिक ढांचे को मजबूत बनाने में प्रत्येक नागरिक के योगदान को भी रेखांकित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल का समर्पण हमें सदैव प्रेरणा प्रदान करता रहेगा।

जमीन विवाद में सास-ससुर ने महिला को जहर पिलाया

- पति की मौत के बाद पीड़िता की जमीन हड़पना चाहते हैं ससुराल वाले

भोपाल (नप्र)। नजीराबाद इलाके में जमीन विवाद के चलते एक विधवा महिला को उसके ससुराल पक्ष ने शनिवार को जबरदस्ती जहर पिला दिया। महिला को गंभीर अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 30 वर्षीय थप्पी बाई ग्राम जमीला की निवासी है। चार साल पहले उसके पति का निधन हो गया था। पति की मौत के बाद से महिला ससुराल पक्ष से संपत्ति में अपना हिस्सा मांग रही थी। महिला के परिवार की 20 एकड़ जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी बात को लेकर शनिवार को महिला की सास नन्नी बाई गुर्जर, ससुर कुबेर सिंह, ननदोई मेहरबान और चाचा ससुर इंदर ने उसे जबरन पकड़कर जहर पिला दिया। घटना के बाद सभी आरोपी फरार हो गए।

पड़ोसियों ने पहुंचाया अस्पताल

आस-पड़ोस के लोगों ने महिला को गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल प्रशासन ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला के बयानों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल, पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। मामले की जांच जारी है।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और मुख्यमंत्री ने ग्वालियर में श्रीमंत जीवाजीराव सिंधिया की प्रतिमा का किया अनावरण

दुनिया सिंधिया परिवार की सेवा और परंपरा का लोहा मानती है : उपराष्ट्रपति धनखड़

ग्वालियर के लिए आज ऐतिहासिक दिन: सीएम यादव

- ज्योतिरादित्य में भविष्य का विजन, छात्रों को पार्लियामेंट में आमंत्रित किया

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में रविवार को जीवाजी विश्वविद्यालय के 60वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ ने जीवाजी राव सिंधिया की मूर्ति का अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जीवाजी राव ने आजादी के बाद जनता की सेवा, शिक्षा के लिए अविस्मरणीय काम किया। महाराज जीवाजी राव जानते थे कि शिक्षा समानता लाती है, शिक्षा जागरूकता लाती है, शिक्षा से ही लोकतंत्र और संविधान है। कार्यक्रम में उनके साथ राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, मंत्री तुलसी सिलावट सहित कई विश्वविद्यालय के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। उप राष्ट्रपति धनखड़ करीब 3 घंटे से ज्यादा समय तक ग्वालियर में रहे। वे जयविलास पैलेस भी पहुंचे। उनके आगमन पर एयरपोर्ट से लेकर कार्यक्रम स्थल तक 1800 जवान व अफसर सुरक्षा में तैनात किए गए थे।

ज्योतिरादित्य में भविष्य का विजन

कार्यक्रम के दौरान उप राष्ट्रपति ने कहा आज का दिन मेरे लिए सदैव अविस्मरणीय रहेगा। मैंने सिंधिया परिवार की तीन पीढ़ियों की राजनीति को देखा है। मुझे 1989 में राजमाता का आशीर्वाद मिला, जो आज मुझे इस मुकाम पर ले आया है। माधवराव जी संसद के माधव (कृष्ण) थे। माधवराव ने सभी मंत्रालय में अपने काम से अमिट छाप छोड़ी है। रेल मंत्रालय में जो काम किया वो सब जानते हैं। उनके काम और आकर्षण को शब्दों में बयां नही किया जा सकता। मुसीबत-दुख के समय माधवराव सबसे पहले फोन करते थे। आज संसद में माधव की ज्योति (ज्योतिरादित्य) को अनुभव कर रहा हूं। दुनिया आज सिंधिया परिवार की सेवा और परंपरा का लोहा मानती है। जीवाजी राव ने आजादी के बाद जनता की सेवा, शिक्षा के लिए अविस्मरणीय काम किया। उनकी मूर्ति के अनावरण पर आज का दिन मेरे लिए भावुक दिन है। महाराज जीवाजी राव जानते थे कि शिक्षा समानता लाती है, शिक्षा जागरूकता लाती है, शिक्षा से ही लोकतंत्र और संविधान है। महाराज में जनता की सेवा के लिए हमेशा ऊर्जा रहती थी। आज ज्योतिरादित्य सिंधिया भी उनके नक्शे कदम पर चल रहे है। सिंधिया के पास भविष्य के लिए विजन है, आज भविष्य के लिए ठोस विजन की जरूरत भी है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने तीस साल बाद देश की शिक्षा नीति बनाई : उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने तीस साल बाद देश की शिक्षा नीति बनाई है। वो भारत के भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होगी। आज जमाना बदल गया है। हम टेक्नोलॉजी में मजबूत है। आज हम विदेशों को निर्यात करते हैं। युवा अपनी प्रतिभा का का उपयोग करते हैं। एआई का जमाना है, लेकिन इसमें संस्थाओं को जागरूक रहना जरूरी है। क्वालिटी एजुकेशन जरूरी है। चिंता का विषय है कि शिक्षा को व्यवसाय की बजाए सेवा के रूप में लेना चाहिए। मैं जीवाजी विश्विद्यालय के छात्रों को इंडियन पार्लियामेंटमेंट में आमंत्रित करता हूं।

जीवाजी महाराज सिंधिया परिवार के गौरव को आगे बढ़ाया : सीएम

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ग्वालियर के लिए आज ऐतिहासिक दिन है। आज जियो साइंस म्यूजियम का उद्घाटन और श्रीमंत जीवाजी राव जी की प्रतिमा का अनावरण हुआ है। जीवाजी महाराज सिंधिया परिवार के गौरव को आगे बढ़ाया। महाराज जीवाजी राव ने देश- प्रदेश में शिक्षा, संगीत, कला के लिए ऐतिहासिक काम किया है। आज उनकी प्रतिमा का अनावरण हुआ है, आज का दिन ऐतिहासिक है। ग्वालियर के लिए भी आज ऐतिहासिक दिन है।

शिक्षा के लिए सिंधिया परिवार ने सेवा का काम किया

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि शिक्षा जगत के लिए सिंधिया परिवार ने सेवा का काम किया है। मेरे दादा जीवाजी राव ने लोक शिक्षा के लिए 60 साल पहले जीवाजी विश्वविद्यालय स्थापित करवाया था। जीवाजी विश्वविद्यालय आज दुनियाभर में प्रसिद्ध संस्थान बन गया है। जीवाजी विश्वविद्यालय के आठ जिलों के 484 महाविद्यालयों में डेढ़ लाख छात्र शिक्षा पा रहें हैं। जीवाजी विश्विद्यालय आज देश की टॉप-10 यूनिवर्सिटी में शामिल है। मेरे दादा जीवाजी राव ने मथुरा में संगीत विश्वविद्यालय भी स्थापित कराया था। उज्जैन में भगवान कृष्ण की शिक्षा-स्थली सांदीपनी आश्रम का जीर्णोद्धार सिंधिया परिवार ने कराया। गजराराजा यूनिवर्सिटी (मेडिकल कॉलेज) की स्थापना भी हमारे पूर्वजों ने की थी।

छेड़छाड़ से परेशान छात्रा ने सुसाइड किया

पिता बोले- पड़ोसी युवक ने की थी गंदी हरकत; नाबालिग ने मां को बताकर जहर पीया

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ईंटखेड़ी इलाके में रहने वाली 14 साल की 9वीं की छात्रा ने शुक्रवार को कीटनाशक दवा पी ली। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात हमीदिया हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पिता का कहना है कि बेटी के साथ गांव के युवक ने गंदी हरकत की थी। सुसाइड से पहले बेटी ने मां को पूरे मामले की जानकारी दी थी। मां के किसी को कुछ बताने से पहले ही लड़की ने जहर पी लिया। इधर, पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। रविवार दोपहर को पोस्टमॉर्टम के बाद शव को परिजन को सौंप दिया गया है। पुलिस का कहना है कि बयान लेने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पिता बोले- छेड़छाड़ से आहत होकर जान दी: छात्रा के पिता ने बताया कि शुक्रवार की सुबह बेटी स्कूल जाने के लिए हर रोज की तरह उठी थी। घर के पास ही टॉयलेट के लिए गई। उस समय करीब 7:45 बजे होंगे। बेटी लौट रही थी, तभी गांव के रहने वाले एक युवक ने उसे पकड़ लिया और गंदी हरकत की। घर लौटने के बाद बेटी ने अपनी मां को पूरा घटनाक्रम बताया। मां किसी को कुछ बता पाती, इससे पहले ही बेटी ने घर में रखी कीटनाशक दवा पी ली। इससे उसको उल्टियां होने लगीं। तत्काल उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां से हमीदिया जाने के लिए कहा गया। हमीदिया हॉस्पिटल में इलाज के दौरान शनिवार देर रात उसकी मौत हो गई।

आरोपी के पिता ने ऑटो से अस्पताल पहुंचाया: नाबालिग के पिता का कहना है कि उन्हें जानकारी नहीं थी कि बेटी ने जहरीला पदार्थ क्यों खाया है। चीख-पुकार सुनते ही आरोपी युवक के पिता और मां भी घर आ गए। उसकी मां बेहद घबराई हुई थीं। वह लगातार बोल रही थी कि यह मेरी बेटी जैसी है, इसे क्या हो गया। उन्होंने अपने पति को ऑटो लाने और अस्पताल पहुंचाने के लिए कहा था। दोनों पति-पत्नी मेरे साथ हॉस्पिटल तक आए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मऊगंज के छात्रावास में हुई घटना पर लिया तुरंत संज्ञान

घायल छात्रों को आर्थिक सहायता के निर्देश

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मऊगंज जिले के नईगढ़ी स्थित अनुसूचित जाति एवं जनजाति छात्रावास में देर रात सिलेंडर फटने से 8 छात्रों और एक रसोइये के घायल होने की घटना को संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तुरंत आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया है। जिला प्रशासन द्वारा सभी घायलों को समुचित उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज रीवा भेजा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुर्घटना में अत्यंत गंभीर रूप से घायल छात्र को 2 लाख रूपये गंभीर घायल छात्रों को 50-50 हजार रूपये और अन्य घायलों को नियमानुसार आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही हॉस्टल अधीक्षक को तुरंत निलंबित करने और जांच समित का गठन किया गया है, जो अपना प्रतिवेदन एक सप्ताह में प्रस्तुत करेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी जिलों के छात्रावासों में सुरक्षा के मानकों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से सभी घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की है।

वीर बाल दिवस पर 26 दिसम्बर को स्कूलों में होंगे आयोजन

भोपाल (नप्र)। सिक्खों के 10वें गुरु गोविंद सिंह जी के वीर पुत्रों, साहिबजादा ज़ोरावर सिंह और फतेह सिंह के बलिदान के मौके पर 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर प्रदेश के स्कूलों में वीर पुत्रों के बलिदान पर केन्द्रित आयोजन होंगे। वीर बाल दिवस के मौके पर 'मेरे सपनों का भारत', 'मुझे किससे खुशी होती है', विषय पर चित्रकला, कहानी एवं निबंध लेखन की गतिविधियाँ होंगी। माध्यमिक स्तर के बच्चों के लिये 'राष्ट्र निर्माण में बच्चों की भूमिका और विकसित भारत के लिये मेरा दृष्टिकोण' विषय पर निबंध लेखन, कविता, वाद-विवाद एवं डिजिटल प्रेजेंटेशन होगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने समस्त जिला शिक्षाधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि उनके जिले की शालाओं में प्रार्थना सभा में बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्राप्त विद्यार्थियों की प्रेरणादायी कहानियाँ सुनाई जायें। MyGov/MyBharat प्लेटफार्म पर कहानियों के सत्र, रचनात्मक लेखन, पोस्टर निर्माण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता करायी जाये।

नेता प्रतिपक्ष सिंघार को मिला प्रयागराज कुंभ का निमंत्रण

योगी सरकार के दो मंत्री भोपाल पहुंचे; बोले- कुंभ में रहेगी हेडकाउंट की व्यवस्था

भोपाल (नप्र)। 15 जनवरी से प्रयागराज में शुरू हो रहे कुंभ का निमंत्रण देने योगी सरकार के दो दिग्गज मंत्री मप्र के दौरे पर हैं। उज्जैन में बाबा महाकाल को निमंत्रण देने के बाद यूपी के मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह और दिनेश प्रताप सिंह भोपाल पहुंचे। आज सुबह दोनों मंत्री नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बंगले पर पहुंचे और उन्होंने नेता प्रतिपक्ष को प्रयागराज कुंभ में आने का न्योता दिया। नेता प्रतिपक्ष ने भी निमंत्रण सहर्ष स्वीकार करते हुए कहा- कि हमारे यहां के उत्तम स्वामी जी के साथ कुंभ में जाने की चर्चा पहले ही हो चुकी है। हम अपने साथियों के साथ कुंभ में शामिल होंगे।

योगी के मंत्रियों ने एमपी में नेताओं को दिया कुंभ का न्योता

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के जलशक्ति, बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार, कृषि निर्यात राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने भोपाल में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान राज्यपाल मंगू भाई पटेल, बीजेपी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा सहित तमाम नेताओं को कुंभ में आने का निमंत्रण दिया।

म.प्र.के आईएएस नियाज खान अब नॉवेला लिखेंगे

'फ्लाइंग सुपर ह्यूमन' टाइटल से आएगी 70 पेज की कहानी, सनातनी होगा कैरेक्टर

भोपाल (नप्र)। ब्राह्मणों को लेकर नॉवेल लिखकर चर्चित हुए एमपी कैडर के आईएएस नियाज खान अब नॉवेल के बजाय नॉवेला लिखेंगे। जिसकी थीम 'सनातन धर्म की रक्षा के लिए काम' और टाइटल फ्लाइंग सुपर ह्यूमन रखा है। 70 पेज के नॉवेला की कहानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वर्किंग इर्द-गिर्द हो सकती है। इसमें वे बताएंगे कि उनका काल्पनिक कैरेक्टर कैसे देश और सनातन के लिए खुद काम करता है और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करता है।

क्या होता है नॉवेला

अपना पहला नॉवेला लिखने वाले आईएएस अफसर नियाज खान ने मीडिया से चर्चा की। कहा- अब तक 10 नावेल लिख चुका हूं, जो 350 से 400 पेज तक के रहे हैं। उन्होंने बताया-नॉवेला बेसिकली इटैलियन वर्ड है जिसमें 20 से 50 हजार शब्दों की काल्पनिक कहानी होती है। 50 से 100 पेज तक होते हैं। सिंगल प्लाट होता है। इसे लिखते समय स्टोरी में गति भी रखनी पड़ती है। नॉवेला में पात्र आमतौर पर एक ही होता है। खूबी यह भी है कि इसे पीडीएफ के रूप में भी आसानी से रख सकते हैं।

इसलिए लिखेंगे नॉवेला

नियाज खान ने कहा कि नॉवेला में एक से अधिक प्लाट वाली स्टोरी रहती है और पढ़ने में समय कम लगता है। अब समय की कमी के मद्देनजर वेबसाइट्स पर जाकर लोग छोटी से जर्नी (यात्रा) के दौरान नॉवेला जैसी पुस्तकों को पढ़कर समय गुजार सकते हैं। इसमें कम से कम में इंटरटेनमेंट हो जाता है।

पहले नॉवेला की क्या होगी थीम, पात्र कौन होंगे: नियाज खान का कहना है कि उन्होंने वेदों का, सनातन धर्म का काफी अध्ययन किया है। जब ब्राह्मण द ग्रेट वेल लिखा तो काफी स्टडी की है। सनातन धर्म के अध्ययन में यह बात आई है कि इसमें सदा ही सर्व कल्याण की बात कही जाती है। संवेदनशीलता इतनी है कि पेड़-पौधों, नदियों के भी कल्याण की बात होती है।

मानवता के कल्याण की बात कही जाती है। इसलिए पहले नॉवेला में सनातन धर्म को लेकर एक ऐसा काल्पनिक पात्र होगा जो सुपर ह्यूमन हो। नियाज खान ने कहा कि नॉवेला का टाइटल फ्लाइंग सुपर ह्यूमन (उड़ता हुआ महामानव) होगा। इसमें रोचक कैरेक्टर रहेगा जो देशभक्त है, देश की चिंता करने वाला है। इसमें कहानी ऐसे घूमेगी जो हिन्दू धर्म को बिखरने से रोकेगा। इसका पात्र सनातन के सारे गुणों से परिपूर्ण है और शांतिमय टापू वाला देश है। पात्र देशभक्ति की भावना से भरपूर रहेगा। इसमें यह भी बताया जाएगा कि ऐसे देश के नागरिकों के कर्तव्य क्या हैं? प्रकृति को कैसे बचाया जाए, इस पर भी नॉवेला में चर्चा होगी।

संपादकीय

जस्टिस यादव पर कार्रवाई होगी?

इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस शेखर कुमार यादव के ताजा विवादित बयान को देश की सर्वोच्च अदालत ने गंभीरता से लेते हुए जजों की नियुक्ति की सिफारिश करने वाले कॉलेजियम ने उन्हें तलब कर लिया है। उधर विपक्ष ने जस्टिस शेखर यादव के वक्तव्य को संविधान की भावना के विपरीत बताते हुए राज्यसभा में महाभियोग लाने का प्रस्ताव दे दिया है। इस मामले में सत्तारूढ़ भाजपा की ओर से कोई बयान नहीं आया था, लेकिन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जस्टिस यादव के बयान का बचाव करते हुए कहा कि इस देश में बहुसंख्यकों का ही राज चलेगा, कहना असंवैधानिक नहीं है। इसका सीधा मतलब यह है कि सरकार जस्टिस यादव के पक्ष में खड़ी हो गई है। हालांकि हाई कोर्ट जस्टिस के मामले में फैसला सुप्रीम कोर्ट ही करेगा। इस कानूनी कार्रवाई से भी आगे जाकर सवाल यह है कि क्या किसी न्यायाधीश को कोई ऐसा बयान सार्वजनिक रूप से देना चाहिए, जो संविधान की भावना के खिलाफ हो। जज के निजी विचार कुछ भी हो सकते हैं, लेकिन न्यायपालिका के रूप में उनका पहला कर्तव्य संविधान की रक्षा करना न कि उसकी गलत व्याख्या करना। जस्टिस शेखर यादव ने जो कहा वह हिंदुत्ववादियों को खुश और संतुष्ट करने वाला था। इलाहाबाद में विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में बोलते हुए जस्टिस शेखर यादव ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के कार्यान्वयन का समर्थन किया और कहा कि कानूनों को बहुसंख्यकों की प्राथमिकताओं के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे ये बोलने में कोई गुरेज नहीं है कि ये हिंदुस्तान है और यहां रहने वाले बहुसंख्यकों के अनुसार ही देश चलेगा। आप यह भी नहीं कह सकते कि हाई कोर्ट के जस्टिस होकर ऐसा बोल रहे हैं। कानून तो बहुसंख्यक से ही चलता है। परिवार में भी देखिए, समाज में भी देखिए। जहां पर अधिक लोग होते हैं, जो कहते हैं उसी को माना जाता है। जस्टिस यादव ने यह भी कहा कि कठमुल्ले इस देश के लिए घातक हैं। उन्होंने मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की भी आलोचना की। जस्टिस यादव के इस बयान पर कई विपक्षी दल के नेताओं, अल्पसंख्यक समुदायों के संगठनों ने कड़ी आपत्ति ली। इस बवाल के बाद जस्टिस शेखर यादव ने कहा कि उनके बयान को तोड़ मरोड़कर पेश किया गया है। उधर सुप्रीम कोर्ट ने भी इस बयान को गंभीरता से लेते हुए जस्टिस यादव को कॉलेजियम के सामने पेश होने के लिए कहा है। बताया जाता है कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की बैठक 17 दिसंबर को हो सकती है। कॉलेजियम के अध्यक्ष देश के प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना हैं। शीर्ष अदालत ने विश्व हिंदू परिषद के कानूनी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में न्यायमूर्ति यादव के विवादास्पद भाषण पर संज्ञान लेते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय से 'विवरण' मांगा था। उधर विपक्ष भी जस्टिस यादव के बयान से नाराज है। शुक्रवार को राज्यसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों ने जस्टिस यादव के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश उन्हें हटाने की मांग की है। राज्यसभा महासचिव को यह महाभियोग नोटिस सपा सांसद कपिल सिब्बल और कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा के नेतृत्व में सांसदों ने सौंपा था। कॉलेजियम की बैठक के बाद तय होगा कि जस्टिस यादव के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है। इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस के रूप में शेखर यादव का कार्यकाल अप्रैल 2026 तक है। हालांकि हाईकोर्ट अथवा सुप्रीम कोर्ट के किसी जस्टिस के महाभियोग के जरिए हटाना आसान नहीं है। इसकी बहुत लंबी व जटिल प्रक्रिया है। बीते सात दशकों में किसी भी जज को महाभियोग के जरिए हटाने की कोई भी कोशिश नाकाम रही है।

जनसंख्या वृद्धि नहीं, नियंत्रण हल है

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी विचारक हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संचालक जनसंख्या वृद्धि दर की बहस में शामिल हो गए हैं। उन्होंने जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 प्रतिशत से कम होने पर चिंता व्यक्त की है और अपील भी की है कि जनसंख्या की वृद्धि दर कम से कम 3 प्रतिशत होनी चाहिए। इसमें उन्होंने यह भी कहा कि हर दंपति को दो से ज्यादा यानी तीन बच्चे पैदा करने चाहिए।

श्री मोहन भागवत जी ने कहा है कि कुटुंब समाज का हिस्सा है यानी अगर जनसंख्या वृद्धि दर 2 प्रतिशत से कम हो जाता है तो समाज अपने आप नष्ट हो जाता है, उसे बाहरी शक्ति के द्वारा नष्ट करने की जरूरत नहीं होती। उन्होंने यह भी दिग्दर्शन दिया है कि कई समाज व भाषाएं इसी कारण से नष्ट हो गए। उन्होंने जनसंख्या वृद्धि दर के बारे में कहते हुए कहा कि जनसंख्या नीति वर्ष 2000 के आसपास तय हुई है और उसमें भी यही तय हुआ था। आगे चलकर उन्होंने हिन्दुओं की सख्या 7.8 प्रतिशत से कम होने की भी बात कही तथा बताया कि प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के मुताबिक 1950 से 2015 तक भारत में हिन्दू बहुसंख्यक थे। उनके अनुसार इस आर्थिक सलाहकार परिषद ने दुनिया के 167 देशों में 1950 से 2015 तक हो रहे बदलाव का अध्ययन किया है जिसके अनुसार भारत में 1950 में हिंदुओं की जनसंख्या का हिस्सा 84 प्रतिशत था जो 2015 में 78 प्रतिशत तक रह गया और मुसलमानों का 1950 में हिस्सा 9.84 था जो 2015 तक बढ़कर 14.90 प्रतिशत हो गया।

यह बहस कोई पहली बहस नहीं है जो श्री मोहन भागवत जी ने शुरू की है बल्कि उनके अग्रज स्वर्गीय रज्जू भैया और बाद में स्वर्गीय सुदर्शन जी ने भी जो दोनों सर संघ संचालक रहे हैं ऐसी अपेक्षाएं हिंदू समाज से की थी। स्वर्गीय सुदर्शन जी ने तो मध्यप्रदेश में लागू पंचायती चुनाव में दो बच्चों से अधिक लड़ने वाले प्रत्याशियों के ऊपर प्रतिबंध को हटवा दिया था। हालांकि उनके इस प्रतिबंध हटवाने एवं इस अपील के बाद की हिन्दू कम से कम 5 बच्चे पैदा करें फिर भी हिन्दू आबादी क्यों घटी इस पर संघ ने कभी गंभीर विचार विमर्श नहीं किया। यह बहस कुछ दिनों पूर्व आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू जी ने शुरू की और इसका समर्थन तमिलनाडु के मुख्यमंत्री श्री स्टालिन जी ने भी किया है। हालांकि श्री नायडू और श्री स्टालिन का आबादी वृद्धि का तर्क और नजरिया कुछ अलग प्रकार का है। यह आम चर्चा है कि लोकसभा के क्षेत्र का पुनः निर्धारण आबादी के अनुसार होना है और इस आधार पर दक्षिण राज्यों की हिस्सेदारी उत्तर भारत की हिस्सेदारी की तुलना में घटने की संभावना है इसलिए वह अपने राज्यों की संसद में प्रतिनिधि संख्या को कायम रखने के लिए आबादी को बढ़ाने के लिए चिंतित हैं। जाहिर तौर पर उन्होंने हिन्दू मुसलमान को तो आधार नहीं बनाया परंतु कतिपय वैश्विक रपटों को अपना आधार बनाया है जो की बहुत तार्किक नहीं है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख भागवत जी के इस मुद्दे पर कूदने के बाद यह निर्विवाद है कि एक बड़ी बहस देश में चलेगी इसलिए भी कि वे देश के बड़े संगठन के संचालक हैं और कहा जाता है कि भाजपा के केंद्र और राज्य सरकारों के नियंत्रक भी हैं। इसलिए यह भी संभव है कि केंद्र व राज्यों की भाजपा की सरकारें इस दिशा में सक्रिय हो।

मैं श्री मोहन भागवत की सलाह से प्रधानमंत्री सलाहकार परिषद से-व उन संगठनों से बिल्कुल भी सहमत नहीं हूं। अगर हम देखें तो दुनिया में कम आबादी वाले देश आमतौर पर ठंडे मुल्क रहे हैं। क्योंकि उनकी प्राकृतिक

परिस्थितियों में संतति का कम होना स्वाभाविक था। क्षेत्रफल के दृष्टिकोण से रूस, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, कनाडा आदि देश काफी विस्तृत हैं परंतु आबादी की दृष्टि से बहुत कम हैं। आज अमेरिका आबादी के हिसाब से भारत से लगभग एक चौथाई के आसपास है या उससे भी कम, ऐसी ही स्थिति रूस, आस्ट्रेलिया, कनाडा आदि की भी है। परंतु क्या यह देश मिट गए बल्कि देखा जाए तो यह देश आज भी ताकत में भारत से बहुत आगे हैं, यहां तक कि चीन से भी आगे है तथा दुनिया को उनसे खतरा है। भारत ने तो सन 2000 से पहले हम दो हमारे दो की नीति बनाई थी परंतु चीन ने तो हम दो हमारे एक की ही नीति बनाई तथा 140 करोड़ की सीमा तक पहुंच गया। 18वीं सदी में ब्रिटेन, 17 वीं सदी में जर्मनी या फ्रांस छोटे-छोटे मुल्क थे जिनकी आबादी भारत की तुलना में कम थी परंतु यह यूरोप के बड़े देशों से टकराते रहे और ब्रिटेन ने तो भारत जैसे विशाल देश पर जो उस समय अफगानिस्तान से लेकर वर्मा तक फैला था, पर कब्जा किया और 150 साल गुलाम बनाकर रखा तो फिर आबादी कहां थी? अच्छा होता कि डॉक्टर मोहन भागवत श्री एडमंड शैली की किताब (हाऊ वी कान्करर्ड इंडिया) हमने भारत को कैसे जीता को पढ़ लेते जिसमें उन्होंने उस कालखंड के तथ्यों का वर्णन किया है और बताया है कि मात्र सवा लाख अंग्रेज सेना 1857 से लेकर 1947 तक यानी लगभग 90 वर्ष भारत पर राज करती रही। क्या इसका कारण आबादी की कमी है? पर दरअसल ऐसा प्रतीत होता है कि श्री मोहन भागवत जातिवाद के उन असली कारणों को छुपाना चाहते हैं जो भारत की ब्रिटिश गुलामी के लिए जिम्मेदार थे अगर उससे पहले के इतिहास पर जाएं तो मुगल आक्रमण के समय भी भारत कोई छोटा देश नहीं था तथा मुगलों की सेनाओं के कितने सैनिकों ने भारत पर आकर कब्जा जमाया था? क्या बाबर, गजनी या गोरी उस समय समय की हिन्दुस्तान की कुल आबादी से अधिक सैनिक अरब तुर्क आदि से लेकर आए थे? सच्चाई तो यह है कि भारत ने जातिवाद और सामंतवाद के कारण से अपनी एकजुटता को सदैव स्वतः कमजोर किया है और देश को गुलाम बनाने के रास्ते प्रस्तुत किये। श्री मोहन भागवत चतुराई से उस जातिवादी उत्पीड़न, अस्पर्शयता, छुआछूत, ऊँच-नीच और आबादी के बड़ भाग को राजतंत्र से दूर रखने के उस अपराध को छिपाने का प्रयास कर रहे हैं। यह भी इतिहास को बदलने का और तथ्यों को छुपाकर सच्चाई को मिटाने का प्रयास है।

आबादी की वृद्धि एक गंभीर समस्या है क्योंकि देश के प्राकृतिक स्रोत जन, जंगल, जमीन, खनिज इन सभी की एक सीमा है। पिछले लगभग 35-40 वर्षों में शहरीकरण के नाम पर देश की करोड़ों एकड़ कृषि भूमि पर कांक्रीट के जंगल खड़े हो गए हैं जो तापमान बढ़ा रहे हैं, जल अभाव पैदा कर रहे हैं, प्रदूषण व अपराध बढ़ा रहे हैं और सभ्यता व संस्कृति को नष्ट करने के कारण बन रहे हैं। आबादी वृद्धि के लिए खाद्यान्न, जल, जंगल, जमीन आदि की जो जरूरतें बढ़ी हैं, उन्हें आबादी वृद्धि से कैसे पूरा कर पाएंगे? जो भारत देश खाद्य तेल में आत्मनिर्भर था वह भारत देश आज हजारों करोड़ का तेल विदेश से आयात कर रहा है। आबादी की वृद्धि एक अराजकता सी पैदा कर रही है जो निरंतर वृद्धि पर है। आज बांग्लादेश, पाकिस्तान एवं ऐसे कई दक्षिण अफ्रीकी इस्लामिक देश स्वतः ही अपने अंर्तकलह से, क्या अपनी आबादी को नहीं मार रहे हैं? क्या कलिंग युद्ध में हिंदू ने हिंदू को, ईरान इराक में मुस्लिम ने मुस्लिम को, जर्मन-ब्रिटेन में ईसाई ने ईसाई को लाखों की संख्या में नहीं मारा? क्या जब तैमूर लंग ने दिल्ली पर कब्जा किया था तब दिल्ली में 3 लाख पठानों को नहीं मारा था? राम रावण के युद्ध में जो लोग मारे गऐ थे, महाभारत के कौरव और पांडव युद्ध में क्या हिंदू ने हिंदू को नहीं मारा था? देश के राजा महाराजाओं के अपनी सत्ता के युद्ध में हिंदू ने हिंदू को नहीं मारा था? भागवत जी और संघ से मैं कुछ बेहतर और सार्थक बहस की उम्मीद करता था। मुझे लगता था कि शायद 1947 से 2024 के बीच इन 77 सालों में उनके मानसिक व वैचारिक सोच में कुछ विकास हुआ होगा। परंतु शायद यह मेरी गलती थी। जिस सनातन की चर्चा आजकल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी और सरकारी तंत्र जोर शोर से चला रहे हैं, उस सनातन काल में देश की आबादी कुल कितनी थी? परंतु सभ्यता थी, संस्कार थे, चिंतन मनन था और इंसान, प्रकृति, पशु, पक्षी सभी में एक व्यापक समझ व एकता थी। सनातन का मतलब जातिवाद की पुनर्स्थापना नहीं है। सनातन का मतलब पुरोहित पंडावाद, मुफ्तखोरी, राजतंत्र की, ऊँच-नीच की पुनर्स्थापना नहीं है। बल्कि सनातन का अगर कोई अर्थ है तो समूची विश्व की मानवता और पत्थर से लेकर पशु तक, पौधों से लेकर वनों तक, नदियों से लेकर जमीन तक सबको एक ही मानने की भावना है। परंतु भागवत जी तो देश को भयभीत कर असनातन को सनातन पर थोप रहे हैं। शायद यही उनके तथाकथित हिंदू राष्ट्र की अंतर भावना है। दुनिया में कोई देश एक धर्म के रास्ते पर नहीं चलाया जा सकता है और जहां एक ही धर्म के राष्ट्र बने हैं वे संघों में बिखरकर गृह युद्ध में फंसे हैं। शिया, सुन्नी, कैथोलिक-प्रोस्टेटटेंट, अरबी-तुर्की, हिंदू, सिख, तमिल, सिंहली और ऐसे कई उदाहरण में दे सकता हूँ।

मैं डॉ. मोहन भागवत जी से अनुरोध करूंगा कि अगर वे कर सकते हैं तो अपनी शक्ति और प्रभाव का प्रयोग आबादी के नियंत्रण के लिये करें तथा

1. समूचे देश में आबादी नियंत्रण की एक व समान नीति बनवाएं और लागू करें।

2. सरकारी नौकरी, सरकारी सुविधा, बैंकों की सुविधा इन सभी प्रकार की राष्ट्रीय सरकारी सुविधाओं का लाभ केवल उन्हें दिलायें जो आबादी को नियंत्रित करें, अन्यथा उनको वंचित करें। हम किसी को डराकर या जेल भेज कर बाध्य नहीं करना चाहते हैं। शासन नीति सबको समान और मान्य हो। मुझे लगता है कि इस प्रयोग से भागवत जी देश का ज्यादा हित कर सकते हैं। बजाए हिंदू और मुस्लिम की जनगणना कर तनाव पैदा कर मानसिक विकृति के प्रयास से। अगर उनकी ही बात माने की हिंदू आबादी 7.8 प्रतिशत कम हो गई है और मुस्लिम आबादी 5 प्रतिशत बढ़कर 14.9 हो गई है तब भी 85 परसेंट तो हिंदू उनके अनुसार आज भी हैं औरअगर हिंदू या मुसलमान आबादी नियंत्रण के दो परसेंट वृद्धि के सिद्धांत को मानेगा तो स्वाभाविक है कि 85 परसेंट हिंदुओं की आबादी कुछ ही वर्षों में ज्यादा बढ़ेगी बजाए 15 प्रतिशत के। भागवत जी के यह देश के लिए कोई खतरा नहीं है। परंतु जब वे 85 प्रतिशत हिंदू या गैर मुस्लिम आबादी को भयभीत करते हैं तो लगता है कि वह छिपे हुए पुराने 10 प्रतिशत उच्च जाति सत्ता की पुनर्स्थापना के लिए आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों और गरीब हिंदुओं का इस्तेमाल कर फिर से राजकुल, राजतिलक, राजपुरोहित तंत्र की स्थापना करना चाहते हैं।

अच्छा हो कि डॉ. भागवत हाल के महाराष्ट्र चुनाव, झारखंड चुनाव और उत्तरप्रदेश के उपचुनाव के परिणामों का विश्लेषण करायें, ताकि वह ठीक तथ्य पर पहुंच सकें।

ईंधन की जरूरत पूरी करेगी परमाणु ऊर्जा

उपलब्धि

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भारत सरकार के उपक्रम परमाणु ऊर्जा निगम ने मध्यप्रदेश में चार नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाने की मंजूरी दी है। जल्दी ही ये संयंत्र नीमच, देवास, सिवनी और शिवपुरी में लगेंगे। सब कुछ सही रहा तो जल्दी ही इन परियोजनाओं पर काम शुरू हो जाएगा। इन संयंत्रों के शुरू हो जाने पर 1200 मेगावाट की अतिरिक्त बिजली पैदा होगी। भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता पिछले 10 साल में करीब दोगुनी हो चुकी है। 2031 तक इसके तीन गुना होने की उम्मीद है।

भारत की जिस तेजी से आबादी और अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, उसके प्रबंधन और सुचारू सुविधा के लिए शहरीकरण के साथ ऊर्जा की उपलब्धता आवश्यक है। इसी नजरिये से परमाणु ऊर्जा का उत्सर्जन बढ़ाने की दिशा में तेजी से प्रगति हो रही है। विद्युत की कमी पूरी हो और ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन भी न हो, इसके लिए परमाणु ऊर्जा उपयुक्त मानी जाती है। एक बार यदि कोई परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित हो जाता है तो लंबे समय तक ऊर्जा की आपूर्ति बनी रहती है। ताप विद्युत परियोजनाओं में कोयला जलाया जाता है। इस कारण बड़ी मात्रा में वायु प्रदूषित होती है। जो अनेक बीमारियों का कारण बनती है। ऐसा अनुमान है कि दुनिया में एक साल में करीब 15 लाख मौतें वायु प्रदूषण से होती हैं। अतएव जीवाश्म ईंधन से बिजली पैदा करना मानव आबादी को बीमार बनाए रखना है। जबकि परमाणु ऊर्जा से पैदा बिजली कार्बन मुक्त होने के साथ सस्ती भी होती है। भारत में कुल ऊर्जा के उत्पादन में 80 प्रतिशत बिजली केवल जीवाश्म ईंधन के रूप में कोयला को ताप विद्युत घरों में जलाने से प्राप्त होती है। हालांकि देश में पानी, सौर्य और वायु ऊर्जा भी बड़ी मात्रा में उपलब्ध होने लगी है। जीवाश्म ईंधन के ये बड़े विकल्प बनकर सामने आए है। लेकिन सौर्य और पवन ऊर्जा के उत्सर्जन में मौसम की बड़ी भूमिका रहती है। अतएव तेज हवाएं नहीं चलने पर पवन ऊर्जा का निर्माण धीमा पड़ जाता है। इसी तरह बारिश और ठंड के मौसम में सूरज का ताप मंदा हो जाने से सौर्य ऊर्जा का उत्पादन कम हो

जाता है। परमाणु ऊर्जा के लिए थोरियम की उपलब्धता जरूरी है। ये अच्छी बात है कि भारत में थोरियम केरल और बिहार में बड़ी मात्रा में उपलब्ध है। थोरियम धातु को वायु में गरम करने पर इससे चिंगारियां फूटती हैं, जो ऊर्जायुक्त होती हैं। भारत में भविष्य के ईंधन के रूप में थोरियम को परमाणु ऊर्जा में बदलने के उपायों पर काम तेजी से चल रहा है। देश में फिलहाल 8 परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में 23 परमाणु रिएक्टर चालू हैं।

परमाणु ऊर्जा को बढ़ाने की दृष्टि से 2024-25 के आम बजट में लघु परमाणु संयंत्रों के लिए सरकार ने बड़े बजट का प्रावधान किया है। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में यह नया प्रयोग है। पहली बार निजी कंपनियों को लघु परमाणु संयंत्र समूचे देष में स्थापित करने का अवसर दिया गया है। साथ ही मॉड्यूलर (प्रतिरूपक) रिएक्टर के आधुनिकीकरण के लिए शोध और विकास पर भी धनराशि खर्च की जाएगी। जिससे परमाणु ऊर्जा में नई प्रौद्योगिकी का विकास हो। इसे पीपीपी मॉडल पर क्रियान्वित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य देश में स्वच्छ एवं वैकल्पिक बिजली को बढ़ावा देना है। साथ ही प्रधानमंत्री सूर्य घर निःशुल्क बिजली योजना के तहत छतों पर जो सौर संयंत्र लगाए जा रहे हैं, इन पर भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली छूट जारी रहेगी। अभी तक इस योजना के लाभ के लिए 1.28 करोड़ परिवार पंजीयन करा चुके हैं और 14 लाख आवेदन विचाराधीन हैं। इस योजना से 300 यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी। छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) उन्नत परमाणु संयंत्र माने जाते हैं। इनकी बिजली उत्पादन क्षमता 300 मेगावाट प्रति इकाई है, जो पारंपरिक परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की बिजली उत्पादन क्षमता की तुलना में एक तिहाई है। ये संयंत्र न्यूनतम कार्बन बिजली का उत्पादन करते हैं।

विकसित भारत के लिए ऊर्जा की उपलब्धता एक बड़ी जरूरत है। इसलिए सरकार सिर्फ पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर नहीं रहना चाहती है। इसीलिए सौर और पवन ऊर्जा पर सरकार पहले ही काफी कुछ कर चुकी है। अतएव अब फोकस परमाणु ऊर्जा पर है। क्योंकि इसमें संभावनाएं अधिक है। लेकिन परमाणु ऊर्जा उत्पादन में सुरक्षा के सवाल आड़े आते रहे हैं। ऊर्जा सुरक्षा को सरकार सचेत है। ऊर्जा बदलाव के संबंध में एक नीतिगत उपाय किए जा रहे है। इनसे तय होगा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में किस तरह से पारंपरिक ऊर्जा की जगह धीरे-धीरे अपारंपरिक ऊर्जा के स्रोत का महत्व बढ़ रहा है। इस नीतिगत उपाय के तहत रोजगार, विकास और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों का भी समाधान होगा। अतएव इसी परिप्रेक्ष्य में निकेल, कोबाल्ट, तांबा और लिथियम जैसी धातुओं के उत्पादों के आयात पर षुल्क क्रमशः घटाया जा रहा है। इन उत्पादों का प्रयोग परमाणु और सौर ऊर्जा के साथ दूसरे ऊर्जा उत्सर्जन उपायों में भी होता है। आयात सस्ता होने से इनका निर्माण भारत में करने में आसानी होगी। यही नहीं परमाणु ऊर्जा, नवीनीकरण ऊर्जा और अंतरिक्ष एवं रक्षा क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाली 25 धातुओं पर सीमा शुल्क को पूरी तरह खत्म कर दिया है। हाल ही के वर्षों में कुछ देशों ने छोटे परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने में सफलता मिली है। इसी का अनुकरण भारत कर रहा है।

भारत में एक ओर अर्से से अटकी परमाणु बिजली परियोजनाओं में विद्युत का उत्पादन शुरू हो रहा है, वहीं निजी निवेश से परमाणु ऊर्जा बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के सूरत जिले के तापी काकरापार में 22,500 करोड़ रुपए की लागत से बने 700-700 मेगावाट बिजली उत्पादन के दो परमाणु ऊर्जा संयंत्र 22 फरवरी 2024 को राष्ट्र को समर्पित कर दिए हैं। ये देश के पहले स्वदेषी परमाणु ऊर्जा संयंत्र हैं। ये उन्नत सुरक्षा सुविधाओं से युक्त हैं। ये संयंत्र प्रतिवर्ष लगभग 10.4 अरब यूनिट स्वच्छ बिजली का उत्पादन करेंगे। जो गुजरात में बिजली की आपूर्ति के साथ अन्य प्रांतों को भी बिजली देंगे। ये संयंत्र शून्य कार्बन उत्सर्जन की दिशा में आगे बढ़ने की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होंगे।

दूसरी तरफ भारत सरकार ने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी कंपनियों से 26 अरब डॉलर का निवेश आमंत्रित किया है। यह पहल ऐसे स्रोतों से बिजली बनाने की मात्रा बढ़ाने की दिशा में उठाया गया कदम है, जो वायुमंडल में प्रदूषण और तापमान बढ़ाने वाले कार्बनडाड ऑक्साइड का उत्सर्जन नहीं करते हैं। यह पहली बार है जब परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में सरकार निजी कंपनियों से पूंजी निवेश की मांग कर रही है। फिलहाल भारत में परमाणु ऊर्जा कुल बिजली उत्पादन की तुलना में महज दो प्रतिशत भी नहीं है। यदि यह निवेश बढ़ता है तो 2030 तक अपनी स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता का 50 प्रतिशत गैर जीवाश्म ईंधन के उपयोग से प्राप्त लक्ष्य को हासिल करने में सहायता मिलेगी।

अवसर अब बनेंगे हकीकत

मप्र में रोजगार

डॉ. हरीशकुमार सिंह

लेखक पत्रकार हैं।

देश में केंद्र और राज्य में सरकार बनाने के लिए राजनीतिक दल अपने अपने घोषणापत्रों में बड़े बड़े वादे करते हैं और उनके दल की सरकार बनने के बाद चुनावी वादे भुला दिए जाते हैं। अभी तक पिछले वर्षों में राष्ट्रीय दलों ने केंद्र में सरकार बनने पर कभी एक करोड़ रोजगार तो किसी ने पांच करोड़ लोगों को रोजागर देने के वादे किये मगर रोजगार के अवसर युवाओं को कम ही मिले और चयन प्रक्रिया के बाद , किसी न किसी कारण से युवाओं को परीक्षाओं में पास होने पर भी नौकरी नहीं मिलने के कई मामले सामने आये हैं। देश में पिछले वर्षों में नौकरी के नाम पर सिर्फ संविदा या तदर्थवाद को ही प्रश्रय मिला जिससे सरकारों को नौकरी करने वालों को न पूरा वेतन देना पड़े और न ही भविष्य में पेंशन।

मगर मध्यप्रदेश में, प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने, चुनावों के पूर्व अपने दल के संकल्प पत्र 2024 में रोजगार के अवसर शीर्षक के अंतर्गत , जिसमें आगामी पांच वर्षों में ढाई लाख सरकारी नौकरियां प्रदान करेंगे और प्रत्येक वर्ष सरकारी परीक्षा कैलंडर भी जारी करेंगे को हकीकत में चरितार्थ करते नजर आ रहे हैं। इसके लिए सबसे पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने शासन के वित्त विभाग से अठारह नवम्बर 2024 को सभी विभागों के लिए एक परिपत्र जारी करवा कर प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी और तृतीय श्रेणी के सीधी भर्ती के रिक्त पदों की पूर्ति की पहले गणना किये जाने अर्थात् किस विभाग को में कितने पद रिक्त हैं ,की जानकारी एक अप्रैल 2024 की स्थिति में करने और फिर भर्ती प्रक्रिया जारी करने के निर्देश दिए। कुल पदों में से वर्ष 2024-25 में आठ प्रतिशत पद वित्त समाप्ति के पहले किया जाना है और फिर धीरे धीरे वर्ष 2028 तक ढाई लाख पदों पर भर्ती सुनिश्चित करना है। यही नहीं भर्ती की जो प्रक्रियायें जारी हैं उन्हें भी चलने दिया जाएगा। इसके साथ ही जिन वर्ग के लिए अंतिम परीक्षा परिणाम रोके गये हैं उन पदों को , रिक्त पदों की गणना में नहीं लिया जायेगा। इस प्रकार अपने संकल्प पत्र के अनुसार अपना वादा पूरा करने को तैयार मोहन सरकार ने बेरोजगारों की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक ईमानदार और सशक्त कदम उठाया है।

रोजगार देने को लेकर अपने दल के संकल्प पत्र को लागू करने के लिए डॉ. मोहन यादव की सरकार ने 10 दिसम्बर 24 को अपने , एक फैसले में फिर एलान किया इस वर्ष एक लाख सरकारी नौकरियों देने का लक्ष्य है और एक लाख पदों के लिए कर्मचारी चयन मंडल और और अन्य नियुक्ति संस्थानों को चयन प्रक्रिया आरम्भ करने के स्पष्ट निर्देश दे दिए गये हैं कि विभागवार एक लाख सरकारी नियुक्तियां की जानी है और सबसे पहले ऊर्जा विभाग ने एमपी ऑनलाइन के जरिये तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के करीब ढाई हजार पदों के लिए इसी दिन विज्ञापन भी जारी कर दिया है। इसके अंतर्गत प्रत्याशी आगामी जनवरी 2025 तक आवेदन कर सकेंगे। विभागवार जानकारी के अनुसार करीब पचपन हजार पदों पर भर्ती किये जाने की बात सामने आई है। इसके अनुसार सिर्फ शिक्षा विभाग में ही करीब पच्चीस हजार पद खाली हैं जिन्हें इस वर्ष ही भरा जायेगा। अन्य विभाग जिनमें हजार से ज्यादा रिक्त पदों पर भर्ती की जायेगी उनमें उच्च शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा, वन विभाग, पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग , राजस्व विभाग आदि सम्मिलित हैं। यही नहीं स्वास्थ्य विभाग में खाली पड़े चिकित्सकों के पदों को भी सीधी भर्ती से भरा जा रहा है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग में ही 46491 नए पद सृजन कर भर्ती की जा रहीं हैं।

अभी तक राज्य सरकारें चुनाव जीतने के लिए सिर्फ एन चुनाव के पहले सरकारी नौकरियों का ऐलान करती थीं और चुनाव जीतने के बाद लगभग भूल जातीं थीं। प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कितने संकल्पित है इसका अंदाजा इस बात से भी लगता है कि मुख्यमंत्री बनते ही, पटवारी पद के चयनित हजारों उम्मीदवार नौकरी पाने के लिए राह देख रहे थे मगर पटवारी चयन परीक्षा में एक दो केन्द्रों पर गड़बड़ियों के आरोप की जानकारी के बाद पटवारी पद की ये नियुक्तियां अधर में लटकी थीं मगर मुख्यमंत्री जी ने सभी आरोपों की तुरंत जाँच कराकर, आरोपों को दरकिनार कर मेहनत कर परीक्षा पास करने वालों को और इन्तेजार न कराकर तुरंत नौकरी देने को कहा जिससे, रोजगार देने की दिशा में सरकार कृत संकल्पित है सिद्ध हुआ। प्रदेश सरकार के वर्तमान कदम से प्रदेश के युवाओं में एक नई रौशनी और उम्मीद जगी है कि इस बार सचमुच में उन्हें सरकारी नौकरियां वादे के मुताबिक डॉ. मोहन यादव सरकार उपलब्ध करायेगी। भर्ती परीक्षाओं में ईमानदारी और पारदर्शिता बनी रहेगी ऐसी भी इस बार पूरी उम्मीद है और कर्मचारी चयन मंडल ऑनलाइन परीक्षाएं टीसीएस जैसी किसी स्तरीय संस्था को यह जिम्मेदारी देगी जिससे गड़बड़ी की संभावना भी नहीं रहेगी।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

जो ठंड में नहीं नहाए, वही सिकंदर !

व्यंग्य

प्रकाश हेमावत

लेखक मप्र के प्रशासनिक अधिकारी हैं।

ठंडी हवाओं के चलते ठंड में नहाने का मनोरथ बहुत अच्छे से अच्छा है लेकिन, ठंड के दिनों में यह मनोरथ बिल्कुल अनुकूल नहीं लग रहा है समझ गए ना। ठंड में नहाने के परिणाम घातक रूप में प्राप्त हो सकते हैं?

किसी ने जरूर कहा कि ठंडे ठंडे पानी से नहाना चाहिए, गाना आए या न आए गाना गाना चाहिए , हो आज मौसम बड़ा बेईमान है बड़ा बेईमान है आज़ मौसम। यह गीत क्या कहना चाहता है समझ में नहीं आ रहा। ठंड के दिनों में ठंडे पानी से नहाएं या गाना गाएं या फिर मौसम को बेईमान बताएं ठंड का अधिक प्रकोप होने से ठंड में कोई ये काम करे या ना करें मुझे इससे कोई मतलब नहीं। नहाने पर मैंने तो अपने लिए प्रतिबंध लगा दिया और यह सूचना सोशल मीडिया के तमाम प्लेटफार्म पर भेज दी थी। सूचना देखते ही परिवार व दोस्तों ने चार वेद, 18 पुराण के साथ-साथ कई कई धार्मिक ग्रंथों में नहाने के फायदे बताते ज्ञान चंद गूगल वाले से ज्यादा ज्ञानी बनकर मेरे साथ राजनीति का खेल खेल रहे हैं।

ठंड का सम्मान करना ठीक है लेकिन नहाना अलग बात है। क्योंकि नहाते समय ठंडे पानी से ठंड ना लगे इसके लिए कुछ घरेलू टोने-टोटके अपना रहा हूं। जैसे जल के पास बैठकर कुछ देर तक ताकते रहना, स्पर्श स्नान, छींटा स्नान, चक्षु स्नान, दर्शन स्नान आदि करके अपना काम निकाल रहा हूं और सबकी बाज जैसी नजरों से स्वयं को बचा रहा हूं। ठंड के दिनों में न नहाने के तरीके और बचने की राहों में तुम्हारे द्वारा बताए गए टोटके मेरे लिए सौ फीसदी कारगर साबित हो रहे हैं। मेरे हिसाब से ठंड के दिनों में न नहाने वाले को सिकंदर कहते हैं। मेरे द्वारा अपनाए टोटके अपनी बुद्धिमत्ता के आधार पर आप सुधी जन उपयोग करके सजग रह कर सावधान रहें तो बेहतर रहेगा।

पहला टोटका- सोमवार के दिन ठंड हो या न हो फिर भी अत्यधिक ठंड बताकर न नहाने का झूठा ही सही जोर जोर से हल्ला मचा कर अपना आपको घरवालों के सामने ऐसा दिखना कि मैं नहा कर आ गया हूं और कुछ देर के लिए धूप में खड़े होकर ये मधुर गीत गुनगुनाना कि आज ही हमने बदले हैं कपड़े आज ही हम नहाए हुए हैं।

दूसरा टोटका- मंगलवार के दिन मंगल भवन अमंगल हारी ठंड के दिनों में तेज हवाओं का प्रकोप जारी। इस दिन ठंडे पानी से सिर्फ़ स्पर्श स्नान करके सहस बदन तुम्हरों यश गावें का काव्यात्मक भाव मन में धारण करने से स्नान पूर्ण मान लेना चाहिए।

तीसरा टोटका - बुधवार के दिन बुद्ध की तरह शांत रहकर परिवार से कोई युद्ध ना करें। ठंड में अपने आप को बचाए रखना और नहाने से बुद्धि पूर्ण तरीके से बचने का भरसक प्रयास करें।

चौथा टोटका - गुरुवार के दिन अपने आप को घर में गुरु ठंडेश्वर का परम भक्त की तरह मानते हुए नहाने से बचने मौनत्व धारण करते हुए देर सवेर तक सोते रहे तो भी कोई बात नहीं। अगर कोई आवाज लगाएं तो उनसे कह देना कि ठंडेश्वर गुरु का ध्यान कर रहा हूं। अतः आज नहाने की छुट्टी है।

पांचवां टोटका - शुक्रवार के दिन बीते चार दिनों में नहीं नहाने के उपायों के प्रति ठंड का भरपूर शुक्रिया अदा करके मन मस्तिष्क को ठंडा रख खुशी जाहिर कर सकते हैं। और ठंड के दिनों में न नहाने के संकल्प के प्रति निष्ठावान बनकर अपने भाव के प्रति निश्चिंत रहें।

छठा टोटका - शनिवार के दिन अगर कोई परिवार का सदस्य , मित्र कहे कि ठंड की दिनों में क्यों नहीं नहा रहे तो तुरंत कह देना कि शनि की साडेसाती जैसी बुरी हवाएं लगी हुई हैं। अतः क्षमा चाहता हूं। संविधान प्रदत्त स्वतंत्रता के अधिकार के तहत कोई अपना मुंह ना खोले। मुझे मजबूर न करे।

सातवां टोटका - रविवार के दिन छुट्टी का दिन है आराम का दिन है। इस दिन भी कोई नहाने का बोले तो कह देना कि ठंड में नहाने की छुट्टी है।

ठंड के मौसम में न नहा कर अपने आप को समाज में सबसे बड़ा पानी बचतकर्ता बताना चाहिए और सभी को ठंड में न नहाने के टोटके, घरेलू नुस्खे बताना चाहिए। यह टोटके मेरे द्वारा व्यक्तिगत रूप से अपनाए गए हैं। इससे मुझे फायदा हुआ है। ये टोटके मुझे मेरे मित्र ने बताए हैं। मझ गए ना मैं क्या कहना चाहता हूं।

कानून और न्याय

ईवीएम पर फैसला-2

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

चुनावी प्रक्रिया पर सवाल में सावधानी आवश्यक

गणतंत्र ने पिछले 70 वर्षों से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में खुद को गौरवान्वित किया है। इसका श्रेय काफी हद तक निर्वाचन आयोग और जनता द्वारा इसमें व्यक्त विश्वास को दिया जा सकता है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में यथास्थिति के बारे में तर्कसंगत संदेह वांछनीय है। यह न्यायालय, चल रहे आम चुनावों की पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठाने और याचिकाकर्ताओं की केवल आशंकाओं और अटकलों पर निर्भर होने की अनुमति नहीं दे सकता।

चुनाव के दौरान ईवीएम के बजाय मतपत्रों से चुनाव कराने की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने ख़ारिज कर दी। इस मामले में न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि ईवीएम महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करते हैं। उन्होंने वोट डालने की दर को 4 वोट प्रति मिनट तक सीमित करके बूथ कैप्चरिंग को प्रभावी ढंग से समाप्त कर दिया है। इससे आवश्यक समय बढ़ जाता है और इस प्रकार फर्जी वोट डालने पर रोक लग जाती है। उन्होंने कहा कि ईवीएम ने अमान्य मतों को समाप्त कर दिया है जो मतपत्रों के साथ एक बड़ा मुद्दा था और गिनती प्रक्रिया के दौरान अक्सर विवादों को जन्म देता था। इसके अलावा ईवीएम कागज के उपयोग को कम करती है और लॉजिस्टिक चुनौतियों को कम करती है। अंत में, वे मतगणना प्रक्रिया में तेजी लाकर और त्रुटियों को कम करके प्रशासनिक सुविधा प्रदान करते हैं। न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि मतपत्रों पर लौटने का अनुरोध ही उन्हें याचिकाकर्ता एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की विश्वसनीयता पर संदेह करता है। इस तथ्य के बावजूद कि चुनाव सुधार लाने में याचिका दायर करने वाले संघ के पिछले प्रयासों का फल मिला है। सामने रखा गया सुझाव समझ से परे दिखाई दिया। तथ्यों और परिस्थितियों में पेपर बैलेट सिस्टम की ओर लौटने का सवाल ही पैदा नहीं होता और न हो सकता है। यह केवल ईवीएम में सुधार या एक बेहतर प्रणाली है जिसकी लोगों को आने वाले वर्षों में उम्मीद होगी। उन्होंने कहा कि प्रणाली या संस्थानों के मूल्यांकन में एक संतुलित परिप्रेक्ष्य बनाए रखना महत्वपूर्ण है। लेकिन, प्रणाली के किसी भी पहलू पर आंख मूंदकर अविश्वास करना अनुचित संदेह पैदा कर सकता है और प्रगति में बाधा डाल सकता है। इसके बजाय, सार्थक सुधारों के लिए जगह बनाने और प्रणाली की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए साक्ष्य और तर्क द्वारा निर्देशित एक महत्वपूर्ण लेकिन रचनात्मक दृष्टिकोण का पालन किया जाना चाहिए।

गणतंत्र ने पिछले सत्तर वर्षों से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में खुद को गौरवान्वित किया है। इसका श्रेय काफी हद तक निर्वाचन आयोग और जनता द्वारा इसमें व्यक्त विश्वास को दिया जा सकता है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में यथास्थिति के बारे में तर्कसंगत संदेह वांछनीय है। यह न्यायालय, चल रहे आम चुनावों की पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठाने और

याचिकाकर्ताओं की केवल आशंकाओं और अटकलों पर निर्भर होने की अनुमति नहीं दे सकता है। याचिकाकर्ता न तो यह दिखा पाए हैं कि चुनावों में ईवीएम का उपयोग कैसे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के सिद्धांत का उल्लंघन करता है और न ही वे डाले गए वोटों के साथ शत-प्रतिशत वीवीपीएटी पर्ची का मिलान करने का मौलिक अधिकार स्थापित करने में सक्षम हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने इस आशंका को खारिज कर दिया कि मशीनों को हैक किया जा सकता है या उनके साथ छेड़छाड़ की जा सकती है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस आधार पर कहा कि इस संदेह को खारिज किया जाना चाहिए कि किसी विशेष उम्मीदवार के पक्ष में वोट की बार-बार या गलत रिकॉर्डिंग के लिए ईवीएम को कॉन्फिगर/हेरफेर किया जा सकता है। उसके सामने पेश किए गए आंकड़ों का हवाला देते हुए पीठ ने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनावों में 20,687 वीवीपीएटी पर्चियों की गणना की गई थी। एक मामले को छोड़कर, कोई विसंगति या बेमेल नहीं देखा गया था। खंडपीठ ने चुनाव संचालन नियमों के नियम 49 एमए का हवाला दिया, जो एक मतदाता को वीवीपीएटी द्वारा उत्पन्न पर्ची पर दिखाए गए उम्मीदवार के नाम और प्रतीक और मतपत्र में डाले गए वोट के बीच बेमेल के बारे में शिकायत करने की अनुमति देता है।

उन्होंने कहा कि तकनीकी विशेषज्ञ समिति द्वारा समय-समय पर ईवीएम का परीक्षण किया जाता रहा है। इन समितियों ने मंजूरी दे दी है और ईवीएम में कोई खराबी नहीं पाई है। ईवीएम के काम करने पर सवाल उठाने के मतदाताओं के अधिकार को स्वीकार करते हुए इसने कहा कि जब हम चुनावी प्रक्रिया की अखंडता पर सवाल उठाते हैं तो सावधानी और सावधानी बरतना भी आवश्यक है। सबूतों का समर्थन किए बिना भी बार-बार और लगातार संदेह और निराशा का अविश्वास पैदा करने का विपरीत प्रभाव हो सकता है। यह एक स्वस्थ और मजबूत लोकतंत्र के लिए आवश्यक चुनावों में नागरिकों की भागीदारी और विश्वास को

कम कर सकता है। इस दावे का जिक्र करते हुए कि फर्मवेयर मेमोरी को फ्लैशिंग द्वारा पुनः क्रमादेशित किया जा सकता है, न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि भले ही हम मान लें कि यह दूर से संभव है, लेकिन यह सख्त नियंत्रण और जगह पर की गई जांच से बाधित है। कल्पना और अनुमानों को हमें बिना किसी आधार या तथ्यों के गलत काम करने की परिकल्पना करने के लिए प्रेरित नहीं करना चाहिए। ईसीआई की विश्वसनीयता और वर्षों से अर्जित चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को विचित्र चिंतन और अटकलों से प्रभावित नहीं किया जा सकता है।

वीवीपीएटी पर्चियों की शत-प्रतिशत गिनती की मांग को खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि हालांकि हम मतदाताओं के मौलिक अधिकार को स्वीकार करते हैं कि उनका वोट सटीक रूप से दर्ज किया जाए और गिनती की जाए। लेकिन इसे वीवीपीएटी पर्चियों की शत-प्रतिशत गिनती के अधिकार के बराबर नहीं माना जा सकता है। इसमें कहा गया है, मतदाताओं को वीवीपीएटी पर्चियों तक भौतिक पहुंच प्रदान करना समस्याग्रस्त और अव्यावहारिक है। इससे दुरुपयोग, कदाचार और विवाद पैदा होंगे। यह ऐसा मामला नहीं है जहां मताधिकार का मौलिक अधिकार केवल एक चर्मपत्र के रूप में मौजूद है। बल्कि, संपूर्ण चुनावी प्रक्रिया प्रोटोकॉल, और जांच के साथ-साथ अनुभवजन्य डेटा, इसके सार्थक अभ्यास को सुनिश्चित करते हैं।

यह बताते हुए कि यह मौजूदा पांच प्रति विधानसभा क्षेत्र से वीवीपीएटी पर्चियों के खिलाफ यादृच्छिक रूप से सत्यापित ईवीएम की संख्या में वृद्धि क्यों नहीं करेगा। न्यायमूर्ति खन्ना ने लिखा कि सबसे पहले, यह गिनती के लिए समय बढ़ाएगा और परिणामों की घोषणा में देरी करेगा। आवश्यक श्रम शक्ति को दोगुना करना होगा। हस्तचालित गणना मानवीय त्रुटियों के लिए प्रवण है और जानबूझकर शरारत का कारण बन सकती है। गिनती में हस्तचालित हस्तक्षेप से परिणामों में हेरफेर के कई आरोप भी बन सकते हैं। इसके अलावा, आंकड़े और परिणाम मैनुअल गिनती के अधीन वीवीपीएटी इकाइयों की संख्या बढ़ाने की कोई आवश्यकता का संकेत नहीं देते हैं।

हालांकि, पीठ ने कहा कि निर्वाचन आयोग सुनवाई के दौरान मशीन का उपयोग करके वीवीपीएटी पर्चियों की गिनती के लिए दिए गए सुझाव पर विचार कर सकता है। आयोग ने कहा कि इस सुझाव की जांच की जा सकती है। इसमें यह सुझाव भी शामिल है कि वीवीपीएटी में लोड किए गए प्रतीकों की बारकोडिंग मशीन की गिनती में सहायक हो सकती है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस दलील को भी खारिज कर दिया कि किसी भी मतदाता को वोट के सत्यापन के लिए पूछने के लिए एक नियमित रूप से अनुमति दी जानी चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि एक अत्यधिक उदार दृष्टिकोण भ्रम और देरी का कारण बन सकता है। चुनाव प्रक्रिया में बाधा डाल सकता है और दूसरों को अपना वोट डालने से रोक सकता है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इसकी चर्चा का उद्देश्य अनिश्चितताओं को दूर करना और चुनावी प्रक्रिया की अखंडता के बारे में आश्वासन प्रदान करना है। एक मतदान तंत्र को सुरक्षा, जवाबदेही और सटीकता के सिद्धांतों को बनाए रखना चाहिए और उनका पालन करना चाहिए। एक अत्यधिक जटिल मतदान प्रणाली संदेह और अनिश्चितता पैदा कर सकती है।

सफलता का सूत्र

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

हर समय खुले रहें आंख-नाक-कान

आज जरूरत इस बात की है कि आप अपनी जरूरत अपना क्षेत्र और अपना मन देखकर उस दिशा में लग जाएं जो आपको करना है। आज जैसे जैसे दुनिया का विस्तार होता जा रहा है वैसे वैसे कार्य क्षेत्र भी अलग अलग होते जा रहे हैं। अब कोई एक दो चार गिनती के क्षेत्र नहीं हैं कि यहीं करना है या अपने लिए सीमित से विकल्प हैं। आज अनेक क्षेत्र खुलते जा रहे हैं और अपनी क्षमता के आधार और अपनी रूचि के हिसाब से क्षेत्र अपनाना ही होगा। आज जीवन क्षेत्रों की विविधता और विस्तार के साथ सफलता के क्षेत्र का भी बहुत विस्तार हुआ है और ऐसे क्षेत्र खुलते जा रहे हैं जो पहले कभी कोई सोचता ही नहीं था। पहले कोई कहां सोचता था कि आई. आई. टी. से निकला स्टुडेंट खेती-बाड़ी में नया कारोबार करेगा या कोई शुरु से ही अपने को किसी एक खेल में लगाकर अपनी सफलता के झंडे गाड़ देगा या सफलता के पैमाने को ऐसे पकड़ेगा कि कोई कल्पना भी नहीं कर सकता।

सफलता की कहानी हर व्यक्ति को खुद लिखनी होती है। कोई और किसी की सफलता को नहीं लिखता है। यहीं और इसी संसार में चलते हुए ही जीवन पथ पर सफलता की कहानी लिखी जाती है इसके लिए कोई और ग्रह पर जाने की जरूरत नहीं होती है। यह साफ है कि सफलता के लिए हर क्षेत्र में बड़ी तैयारी और बड़ा संघर्ष करना पड़ता है जिसके लिए पूरी तैयारी के साथ आना होता है। अपनी सफलता को कभी छोड़ों मत या कम मत आंको। सफलता बड़ी या छोटी नहीं होती, सफलता बस सफलता होती है। सफलता को पाने के लिए हमारे भीतर ही वो गुण मौजूद होते हैं जिनसे सफलता के पथ पर कोई चलता है। सफलता किसी और के द्वारा, या किसी और रास्ते से नहीं पायी जा सकती है और जो कोई भी इस तरह सफलता हासिल करता है, उसके पास सफलता टिकती भी नहीं, न ही वह अपनी सफलता पर टिक कर व्यवहार करता है।

आज जरूरत इस बात की है कि आप अपनी जरूरत अपना क्षेत्र और अपना मन देखकर उस दिशा में लग जाएं जो आपको करना है। आज जैसे जैसे दुनिया का विस्तार होता जा रहा है वैसे वैसे कार्य क्षेत्र भी अलग अलग होते जा रहे हैं। अब कोई एक दो चार गिनती के क्षेत्र नहीं हैं कि यहीं करना है या अपने लिए सीमित से विकल्प हैं। आज अनेक क्षेत्र खुलते जा रहे हैं और अपनी क्षमता के आधार और अपनी रूचि के हिसाब से क्षेत्र अपनाना ही होगा। आज जीवन क्षेत्रों की विविधता और विस्तार के साथ सफलता के क्षेत्र का भी बहुत विस्तार हुआ है और ऐसे क्षेत्र खुलते जा रहे हैं जो पहले कभी कोई सोचता ही नहीं था। पहले कोई कहां सोचता था कि आई. आई. टी. से निकला स्टुडेंट खेती-बाड़ी में नया कारोबार करेगा या कोई शुरु से ही अपने को किसी एक खेल में लगाकर अपनी सफलता के झंडे गाड़ देगा या सफलता के पैमाने को ऐसे पकड़ेगा कि कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। पिछले समय में होता यह था कि माता पिता बच्चों को किसी एक दो क्षेत्र की दुनिया में सफलता पाने के लिए प्रेरित करते या तैयार करते रहते हैं पर आज सफलता के लिए किसी एक क्षेत्र का चयन करने की जगह अपनी रूचि और क्षमता को देखकर ही आदमी को कार्य करना चाहिए। सफलता की दुनिया को पाने के लिए अपने सपने को पालने के आधार पर ही कार्य करना चाहिए। अभी भारत के डी. गुकेश 18 वर्ष की आयु में विश्व चैम्पियन बन सफलता के झंडे को जिस तरह गाड़ा है वह युवाओं की क्षमता व सफलता के उस बिंदु को सामने लाती है जो आज युवाओं की मनोदशा, उनके संकल्प व भक्ति को इस तरह दिखाती है कि यदि आपने कोई रास्ता तय किया है तो उस पर पूर्ण क्षमता के आधार पर चलना होता है। डी.गुकेश को देखें तो वह सात साल की उम्र से विश्वनाथन आनंद की शतरंज अकादमी में अपनी तैयारी कर रहे थे और शतरंज के क्षेत्र में दुनिया में कौन-कौन सी चाल चली जा रही है और किस चाल में कहां कमी रह गई इन बारीक बिंदुओं को वह लगातार सीखने में शामिल कर रहे थे जो उनकी सफलता का आधार बनी। डी. गुकेश कहते हैं कि मेरे साथ खेल रहे चीन के खिलाड़ी डिंग लिरेन ने जहां गलती की वहीं मुझे अपनी चाल और जीत का आधार मिल गया। यहां यह देखने की बात है कि आपको केवल अपनी क्षमता को नहीं देखना है बल्कि अपने सामने वाले की क्षमता और कमियों पर भी बारीक नजर रखनी होती है। यदि आप सूक्ष्म नजर नहीं रख सकते तो स्वाभाविक है कि जीवन की उस सफलता को हासिल नहीं कर सकते जो आपको पाना है। डी. गुकेश को देखिए वह अपने प्रतिद्वंद्वी की हर कमी पर नजर रखे हुए हैं और स्वयं कोई ग़लती नहीं करते। अपने आप से गलती नहीं होने देते यहीं मस्तिष्क की क्षमता और दृढ़ता जीवन के हर क्षेत्र में सफलता पाने के लिए लगातार तैयार रहना पड़ता है।

डी. गुकेश जहां विश्वनाथन आनंद से शिक्षा लेते हैं वहीं दुनिया के सभी शतरंज के श्रेष्ठ गुरु से वह रहस्य व गुर सीखते हैं जो शतरंज की दुनिया में अपनी बेताज बादशाहत को सिद्ध करने का काम करती है।

सफलता की जो कहानी होती है वह सफलता के सूत्र देती है और जीवन जीने की सीख देती हैं। डी. गुकेश की कहानी से यह सीख मिलती है कि किसी भी फिल्ड में तैयारी क्यों न कर रहे हों आपको यह रणनीति बनानी होगी कि उस फिल्ड में क्या है? उसकी पूरी जानकारी हो, लगातार यह नजर हो कि अन्य प्रतिद्वंद्वी से क्या छुट रहा है वह आपसे नहीं छुटना चाहिए। यदि इस तरह से आपकी पैनी नजर हो तो सफलता अवश्य मिलेगी। सफलता को पाने के लिए ध्यान देने योग्य कुछ बातें-

1. पूर्ण क्षमता व पूर्ण दक्षता के साथ तैयारी।
2. नियमित तैयारी व पूर्ण अभ्यास।
3. निरंतर अपने को परीक्षा के लिए तैयार रखना।
4. दूसरे प्रतिद्वंद्वी क्या कर रहे हैं इसकी जानकारी ही नहीं रखना है उस स्थिति में हमें क्या करना है यह भी आपको करना होगा।
5. जो तैयारी कर रहे हैं उस फिल्ड में क्या कुछ है? दुनिया भर में क्या हो रहा है इसकी पूरी जानकारी रखना और फिर उस हिसाब से तैयारी करना है।
6. सफलता के लिए वैश्विक गुरुओं की मदद लेना है।
7. अपने गुरु अपने मार्गदर्शक में पूरी तरह आस्था रखना और यह विश्वास बना रहे कि हमारे शिक्षक हमारे लिए श्रेष्ठ सोच रहे हैं।
8. अपने माता-पिता व पारिवारिक सदस्यों पर पूरा भरोसा रखें कि आपके लिए सबसे अच्छा रास्ता दिखा रहे हैं।
9. आपकी सफलता के रास्ते में जो भी सहायक व सहयोगी है उसके प्रति विनम्र होने के साथ साथ उनको पूरा श्रेय व महत्व दें।

सफलता की हर कहानी मूलतः जीवन को समझने की पूर्णता भरी कहानी है। सफलता की कहानी को समझना, जीवन की सार्थकता को और जीवन के सौंदर्य को समझने के साथ साथ जीवन की सकारात्मकता को प्रकट करने की कहानी है।

कला

पंकज तिवारी

कला समीक्षक

सृजन आग की तरह जिसे संभालना कठिन ही नहीं बल्कि तपस्या

आँखों से जो नहीं देखा जा सकता मैंने उसे देखा है, शब्दों में जो कहा नहीं जा सकता मैंने उसे कहने का प्रयास ब्लैक एंड व्हाइट कृतियों में किया है। जीवन-मरण, सुख-दुख ये सब काले और सफेद की ही तरह तो है? एकदम कंट्रास्ट। चीजें सब प्रत्यक्ष हैं बस उसे देखने वाले नेत्रों की आवश्यकता है। कलाकार होने और उससे भी जरूरी प्रभु का कृपापात्र होने की वजह से मुझे लगता है कि वो नेत्र मुझे प्राप्त हैं। तर्क, विचार एवं दर्शनशास्त्र से मैं एकदम अनभिज्ञ हूँ। दिल में आग थी जो ब्लैक एंड व्हाइट में कुछ करने हेतु प्रेरित करती थी और मैं कृतियों का सृजन करता रहा कागज पर अंगारों को सम्हालने हेतु भीतर में श्रद्धा होनी चाहिए, यह बड़ा कठिन है। राख को सम्भालकर रखा जा सकता है पर आग सम्हालना कठिन ही नहीं बल्कि तपस्या है, समर्पण की मांग है।

इतने गहरे भावों को खुद में समेटे, कला के तपस्या में हरदम खोये रहने वाले कलाकार विजय सिंह की कृतियाँ गहरे आध्यात्म की परिचायक हैं। उनके यहाँ जीवन के गूढ़ विषयों के गूढ़ रहस्यों का सच है। अहरौरा मिर्जापुर में जन्मे विजय सिंह के चाचा रामचंद्र सिंह बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के भारत कला भवन से जुड़े हुए थे। रामचंद्र सिंह गाँव आते और कृतियाँ बनाने लगते जिन्हें देखने हेतु गाँव वालों का जमघट सा लग जाता था। उसी जमघट में एक बच्चा जो छठी या सातवीं कक्षा में था, मन ही मन खुश हुआ और कला की ही शिक्षा प्राप्त करने का विचार कर बैठा और निरंतर प्रयासरत भी रहा। बच्चे को आगे चलकर दृश्यकला विभाग बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त भी हो गया और सौभाग्य प्राप्त हुआ ज्योतिष भट्टाचार्य जैसे गुरु का सानिध्य प्राप्त करने का। दृश्य कला विभाग बीएचयू में ज्वाइन करने के बाद विजय सिंह लगातार स्केचिंग करते रहे हैं।

स्केचिंग के लिए जाते समय रास्ते में ही गुरूजी का रूम पड़ता था। एक दिन की बात है जब मणिकर्णिका घाट से स्केच करके वापस लौटते समय रास्ते में ही गुरुजी अपने रूम से ही आपको बुलाते हैं और स्केच दिखाने को कहते हैं। डरते हुए आपने अपने बनाए स्केच उन्हें दिखाए जिसे देखकर वो इतने प्रभावित होते हैं कि अगले दिन कैम्पस में, चुने हुए स्केचों को लाने के लिए बोल देते हैं। अपने इंग्लैंड यात्रा से लाये पेपर पर स्केच को माउंट करवाते हैं और दो तीन सीनियर को बुलाकर स्केच दिखाते हुए पूछ बैठते हैं कि स्केच कैसा बना है? ठीक है... बच्चों के बोलते ही भट्टाचार्य जी गुस्सा हो जाते हैं और बोलते हैं कि ठीक है..? ठीक है.. तो ऐसे ही पचास स्केच करके दिखाओ।

विजय जी कहते हैं कि 'कहने का तात्पर्य यह है कि गुरूजी अच्छे कामों को जूनियर एवं सीनियर के बंधनों से परे होकर ऐप्रीसिएट करते थे। मैं हमेशा के लिए गुरुजी के सानिध्य में चला गया, लगातार काम करता रहा, स्केच करता रहा, रात-दिन एक करके बस और बस कला को ही जीता रहा। मैं आज जो कुछ भी हूं, अपने गूरुजी की वजह से ही हूं नहीं तो मैं कुछ भी नहीं होता। कला को लेकर नशा के पीछे भी गुरू जी ही हैं। गुरुजी का आशीर्वाद कलाकार विजय सिंह जी के साथ सदा बना रहा और इसी आशीर्वाद के बल पर आप अहरौरा से इंग्लैंड, फ्रांस तक की दूरी नापने में भी सफल हुए। आपकी कला यात्रा अथाह है और विशेषता यह कि इन सभी के बावजूद भी आप कहते हैं कि अभी तो मैं सीख रहा हूं।' मैं तो सोचता हूं कि भगवान मुझे हर जन्म में कलाकार ही बनायें। कलाकार होना सौभाग्य है मेरा। कलाकार की दृष्टि विशाल फलक को एक साथ, एक फ्रेम में देख सकती है। मैं भी देख सकता हूँ। कला में कार्य की बात पर उनका कहना है कि अभी तो मैंने भी कुछ नहीं किया। मुझे ऐसा कभी नहीं लगा कि मैंने कला में बहुत कुछ कर दिया। अभी तो बस कैनवास का सर्फेस तैयार हुआ है। जैसै-जैसे उम्र बीत रही है लगता है कि अभी हम तैयार हो रहे हैं। अभी तो बूँद भर ही काम हुआ है, बहुत करना है।

कैम्पस से निकलने के बाद शाम को हरिश्चंद्र घाट पर स्थित मंदिर में घंटा बजाने के साथ ही बारह ज्योतिर्लिंगों के

नाम का स्मरण करना रोज की दिनचर्या है। आगे बढ़ने के बाद वही लाल, पीला, बर्मीलियन, सफेद रंग का वस्त्र, कफन, वही जलती हुई चिताएं, गुलाब, गेंदे के फूल का विसर्जन, लोगों का रुदन, दुःखों का पहाड़, मन को विचलित कर देने वाले दृश्य और वहीं आगे गौरी केदारेश्वर पर जाता हूँ तो देखता हूँ एक दूल्हा दूल्हन का नया जोड़ा गंगा को दीया चढ़ाने आया है, जीने की प्रबल लालसा लिए हुए। मेरे समझ में ऐसा कंट्रास्ट तो पूरे जगत में कहीं नहीं है कि सौ मीटर से भी कम की दूरी, एक जगह जीवन के शुरुआत का उपक्रम और वहीं बगल में जीवन मिथ्या है, चिता जल रही है और यही सब दशाश्वमेध और मणिकर्णिका पर भी है। मेरे श्याम-श्वेत चित्रों के पीछे भी इन्हीं दृश्यों का असर है। काशी के रहस्यमयी जीवन की तरह ही फिलहाल काशी के कलाकार विजय सिंह की कला यात्रा भी रहस्यमई है, अथाह है, रहस्यमई हैं कृतियाँ भी। आप तीन बार आइफेक्स सहित छः बार दिल्ली से पुरस्कृत हो चुके हैं। कैमलिन की तरफ से भी पुरस्कार और बाहर घूमने, कला दीर्घाओं को देखने समझने का मौका मिला है। हैदराबाद, मध्यप्रदेश, लखनऊ तथा अमृतसर से भी आप पुरस्कृत हो चुके हैं। आप कहते हैं कि ईश्वर की जिस पर कृपा होती है उसको बड़ा तपा कर शुद्ध करता है मुझ पर भी कृपा रही है। मुझ पर मेरे गुरु जी की भी कृपा रही है। मैं तो सोचता हूँ कि भगवान मुझे हर जन्म में कलाकार ही बनाये।

गरीब घर से होने की वजह से दोस्ती हेतु जल्दी कोई आगे नहीं आता था, सब बड़े-बड़े घरों से थे पर अच्छे कार्यों ने, समय ने सब कुछ बदल दिया। सात साल हॉस्टल में रहने के बावजूद डाइनिंग टेबल का मुँह न देख पाने वाले बिल्कुल ही सादगी युक्त जीवन जीने वाले कलाकार विजय सिंह के तमाम उपलब्धियों की वजह से सभी गम खुशियों में बदल गये। एक समय ऐसा भी आया था जब लोग हारमोनियम, ढोलक लेकर सत्कार को भी निकल पड़े थे।

उन्यासी में अध्ययन पूरा होते ही मेडिकल कालेज में कला संबंधी पद पर पाँच साल कार्य करने के बाद आपको लेक्चरर के पद पर दृश्यकला विभाग में नियुक्ति मिली। तब से निरंतर कला जगत में सक्रिय रहते हुए आप काले रंगों पर कार्य करते रहे, तपस्या की तरह है आपके लिए काले रंगों का साथ। बिल्कुल सधा हुआ स्ट्रोक कि रंग भी पूछे 'साहब मुझे कहाँ गिरना और कितना फैलना है, किस आकृति में ढलना है? विजय सिंह और काले रंग का नाता ही कुछ ऐसा रहा है।'

'ब्लैक लगाने का इतना कंट्रोल कॉन्फिडेंस रामकुमार और हुसैन में भी नहीं हुआ जो हमारे विजय सिंह में है' ज्योतिष भट्टाचार्य जी के ये शब्द विजय सिंह के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। क्रोकिल निब और काली स्याही से बड़े-बड़े धरातल पर लगातार घण्टों काम करना एकाग्रता पर विजय प्राप्त करने के बराबर है। घण्टों बैठकर कार्य करने की वजह से कमर की समस्या भी है पर सृजन के आगे दर्द को भी झुकना ही पड़ा। 2001 के त्रिनाले में आपके 3 ड्रॉइंग प्रदर्शित हुए। आपके प्रमुख कृतियों में स्मोक, वस्तु चित्रण श्रृंखला, जंगल श्रृंखला, मेरा गाँव मेरा देश, वृक्ष आदि श्रृंखलाएं हैं जिसमें आपका धैर्य साफ-साफ देखा जा सकता है। 1976 तथा 78 में आपके प्रर्दशनी का उद्घाटन के. एस. कुलकर्णी साहब ने किया था जो आपके लिए विशेष उपलब्धि रही।

इनोवेटिव स्कूल में हुआ कॉमेडी शो आयोजित

देवास। संस्था इनोवेटिव पब्लिक स्कूल देवास में वार्षिकोत्सव प्रोग्राम के अंतर्गत एक शाम मुबीन सौदागर के नाम (कॉमेडी शो) का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य सय्यद मकसूद अली ने बताया कि इनोवेटिव स्कूल देवास में वार्षिक उत्सव के दौरान कार्यक्रम में बॉलीवुड के कलाकारों की हुबहू आवाज को अपने अंदाज में पेश करने वाले प्रतिभाशाली कलाकार मुबीना सौदागर मुंबई से देवास इनोवेटिव स्कूल के कार्यक्रम में देवास आए और शानदार प्रोग्राम देकर दर्शकों का दिल जीता । ठंड से भरी रात में भी बड़ी संख्या में बच्चे और पालक इस कार्यक्रम को देखने के लिए बैठे रहे ओर खूब आनंद लिया। बच्चो की डिमांड पर मुबीन सौदागर ने अपने अंदाज में सभी की फरमाइश पूरी की। करीब 60 कलाकारों की आवाज को हूबहू बोलकर डायलॉग बोले जिसका लुत्फ सभी ने उठाया। इसके साथ ही देवास शहर के उभरते बाँसुरी वादक दिव्यांश शर्मा और गायक कलाकार राहुल काजले ने भी अपनी प्रस्तुतियों से सबको बांधे रखा। प्रोग्राम में गायन एवं वादन के साथ विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न रंगारग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई। सर्वप्रथम मुबीन सौदागर और विभिन्न कलाकारो का स्वागत मिर्जा मुशाहिद बैग, शब्बीर अहमद,मिथलेश यादव , शकील कादरी, इंजी सरफराज कुरैशी (उज्जैन), नईम खान,जमील शेख (करीम बिल्डिंग) मेहबूब शैख,सलीम शेख सर, मुजम्मिल मिर्जा, मजाहिर अली, मुशब्बिर मिर्जा द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग नृत्य से की गई। साथ ही बांसुरी वादक दिव्यांश शर्मा ने बांसुरी पर अपनी प्रस्तुति दी।

551 हवन कुंडों में हुआ सामूहिक अग्निहोत्र यज्ञ

बैतूल। विश्वकर्मा मंदिर, बैतूल में पर्यावरण शुद्धि के उद्देश्य से 551 हवन कुंडों में सामूहिक अग्निहोत्र यज्ञ का आयोजन किया गया। यह ऐतिहासिक यज्ञ रविवार 15 दिसंबर को शाम 5 बजकर 34 मिनट पर मंत्रोच्चार के साथ शुरू हुआ। पहली बार आयोजित इतने बड़े सामूहिक यज्ञ को देखकर उपस्थित लोग आश्चर्यचकित थे। अग्निहोत्र समिति भोपाल से पधारी श्रीमती नलिनी माधव ने प्रवचन के माध्यम से यज्ञ का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि अग्निहोत्र हवन से पर्यावरण की शुद्धि के साथ घर में सुख-शांति भी स्थापित होती है। भोपाल से आए जीपी मालवी ने पूरे हवन का संचालन किया और आहुतियां दिलवाईं। यज्ञ में शामिल सभी श्रद्धालु मंत्रोच्चार और यज्ञ की पवित्रता से अभिभूत दिखे। सभी ने सामूहिक रूप से यज्ञ में भाग लिया और इसे सफल बनाने में सहयोग दिया। इस अद्भुत आयोजन के लिए समिति के सभी सदस्यों ने आभार व्यक्त किया। यह आयोजन बैतूल में अपनी तरह का पहला आयोजन था, जिसे अग्निहोत्र समिति भोपाल और स्थानीय सदस्यों के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

पुलिस अस्पताल बैतूल में आयोजित हुआ स्वास्थ्य शिविर

बैतूल। पुलिस अस्पताल बैतूल में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस कर्मचारियों, उनके परिवारजनों एवं अन्य विभागों के अधिकारियों/कर्मचारियों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया। शिविर का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक निश्चल एन. झारिया के मुख्य आतिथ्य में हुआ। जिसमें रेडियंस हॉस्पिटल नागपुर से विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम, जिसमें डॉ. मनोज पुरोहित (डायरेक्टर, क्रिटिकल केयर एवं डायबेटोलॉजिस्ट), डॉ. दीपिका पुरोहित (ऑब्स्टेट्रिशियन एवं गायनोकोलॉजिस्ट), डॉ. मनीष गंवानी, डॉ. विशाल सक्सेना और डॉ. ललित रहमान सहित नर्सिंग स्टाफ ने बीपी, शुगर, ईसीजी, हाईट और वेट मापन, महिला स्वास्थ्य संबंधित पैप स्मीयर जांच की। इस दौरान 226 पुलिस अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के सदस्य उपस्थित हुए। जांच के दौरान 65 प्रतिशत कर्मचारी बीपी/शुगर संबंधित समस्याओं से ग्रसित पाए गए। 25 गंभीर मामलों को नागपुर स्थित रेडियंस हॉस्पिटल के लिए रेफर किया गया। शिविर के सफल आयोजन में शालिनी परस्ते (अनुविभागीय अधिकारी पुलिस), दिनेश कुमार मर्सकोले (रक्षित निरीक्षक, बैतूल) एवं अन्य पुलिस कर्मियों का विशेष सहयोग रहा।

चेकिंग के दौरान 45 वाहन चालकों से वसूला 6 हजार समन शुल्क

बैतूल। जिले में यातायात नियमों के उल्लंघन को रोकने और सडक़ सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी और एसडीओपी बैतूल सुश्री शालिनी परस्ते की उपस्थिति में यातायात थाना, गंज थाना, कोतवाली थाना और रक्षित केंद्र के बल के सहयोग से लक्ष्मी चौक एवं अन्य प्रमुख स्थानों पर वाहन की चेकिंग की गई। इसके अलावा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मुलताई मयंक तिवारी द्वारा थाना प्रभारी मुलताई राजेश सातनकर, उप निरीक्षक अमित पवार एवं अन्य सहयोगी स्टाफ के साथ मुलताई के फव्वारा चौक एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थान पर वाहनों की चेकिंग की गई एवं नियम विरुद्ध वाहन चलाने वाले एवं बिना रजिस्ट्रेशन के गाड़ी चलाने वालों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही कर समन शुल्क वसूला गया। इस दौरान 100 से अधिक वाहनों की जांच की गई। 45 वाहनों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए 6,000 का शमन शुल्क वसूला गया।

ढाबे पर विवाद में एक युवक को मारा चाकू, इलाज के दौरान मौत

बीच-बचाव में दो घायल, पुलिस ने दो को किया गिरफ्तार, एक फरार

बैतूल। ढाबे पर दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि युवक ने चाकू निकालकर दूसरे युवक पर वार कर दिया। जिसमें युवक की मौत हो गई, वहीं बीच-बचाव करने वाले दो लोग भी इस घटना में घायल हुए है, जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को हिरासत में ले लिया है। तीसरे आरोपी की तलाश जारी है। बताया जा रहा है कि विवाद के समय सभी नशे में थे। झल्लार थाना प्रभारी मनोज उइके के मुताबिक शनिवार की रात्रि लगभग 11 बजे मृतक विनोद धुर्वे अपने दोस्तों के साथ राजस्थान चंडी ढाबा पर खाना खाने गया था। वहां पहले से मौजूद रोशन प्रधान निवासी बैतूल, एक नाबालिग निवासी बैतूल और एक अन्य नाबालिग निवासी झल्लार के साथ किसी बात पर विवाद हो गया। विवाद के दौरान एक नाबालिग ने चाकू से विनोद पर हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। इसके बाद रोशन प्रधान ने विनोद के साथी महादेव विश्वकर्मा और वहां मौजूद एक ट्रक चालक

को भी घायल कर दिया। घटना के बाद तीनों घायलों को जिला अस्पताल बैतूल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में विनोद धुर्वे ने दम तोड़ दिया। फरियादी मुन्ना पिता बुद्धू धुर्वे (निवासी चिचोला ढाना, थाना झल्लार) की रिपोर्ट पर थाना झल्लार में धारा 103(3),109 (1,) 118(1),3(5) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए अनुविभागीय अधिकारी पुलिस भैंसदेही भूपेंद्र सिंह मौर्य और थाना प्रभारी झल्लार को आरोपियों की गिरफ्तारी के लिएविशेष टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक मनोज उईके के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी रोशन प्रधान और एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया। तीसरे आरोपी की तलाश में संभावित स्थानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। उसे जल्द ही हिरासत में लिया जाएगा।

खुले में मांस बेचने और शराब पीने वालों पर कार्रवाई

सारणी पुलिस ने हाट बाजार पाथाखेड़ा में सार्वजनिक स्थानों पर खुले में मांस विक्रय और शराब पीने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने खुले में मांस विक्रय करने वाले 6 लोगों और सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले 10 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए गए। यह कार्रवाई थाना प्रभारी निरीक्षक देवकरण डेहरिया के निर्देशन में उपनिरीक्षक वंशज श्रीवास्तव और प्रधान आरक्षक मनोज डेहरिया द्वारा की गई। पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर अवैध गतिविधियों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खुले में मांस विक्रय और शराब सेवन पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने क्षेत्र में इस तरह की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखें और कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

मुलताई पुलिस ने किया चोरियों का खुलासा, तीन गिरफ्तार

बैतूल/मुलताई। पुलिस ने हाल ही में हुई श्रृंखलाबद्ध चोरी की घटनाओं का खुलासा कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चोरी की यह घटना 8 दिसंबर को नेहरू वार्ड मुलताई निवासी शुभम शिवारे की शिकायत पर दर्ज की गई थी। शुभम, जो प्रभात पट्टन स्थित किशोर करदे के कॉम्प्लेक्स में कृषि सेवा केंद्र का संचालन करते हैं, ने बताया कि सुबह दुकान के ताले टूटे पाए गए थे। अन्य दुकानों के भी ताले टूटे थे। पुलिस ने शिकायत दर्ज होने के बाद घटनास्थल का निरीक्षण किया और आरोपियों की पहचान के लिए गहन जांच शुरू की। मुलताई पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों की जानकारी जुटाई। पुलिस ने विवेक पिता रामसिंह कुमरे (19) निवासी माजरी को 9 दिसंबर 2024 को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान उससे 1,590 बरामद किए गए। पुलिस ने विवेक की जानकारी के आधार पर 11 दिसंबर को अमर पिता सुगन इरपाचे (19) निवासी पांडा, थाना मोर्शी, जिला अमरावती, और एक अपचारी बालक को गिरफ्तार कर अमर से 2,154 और बालक से 780 की रकम बरामद की। आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। चोरी में उपयोग किए गए सामान और चोरी की रकम बरामद कर ली गई है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी मुलताई निरीक्षक राजेश सातनकर, निरीक्षक आबिद अंसारी (विशेषज्ञ), चौकी प्रभारी प्रभात पट्टन उप निरीक्षक नेपाल सिंह ठाकुर, प्रधान आरक्षक आलोक पटेल, आरक्षक लक्ष्मीचंद, डुमलेश्वर कुमरे, चंद्रकांत, हरिओम सैनिक, दिनेश रघुवंशी, सुरक्षा समिति सदस्य उमेश का सराहनीय योगदान रहा।

ग्रीन ओलंपिया थीम पर प्रतियोगिता संपन्न

बच्चों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

बैतूल। बच्चों के समग्र विकास के लिए शिक्षा के साथ खेल-कूल और रचनात्मक गतिविधियां बहुत जरूरी हैं। इसी उद्देश्य को लेकर किडजी स्कूल के प्राथमिक और प्री-प्राथमिक के बच्चों आयोजित ग्रीन ओलंपिया खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न हुई। प्रतियोगिता में बच्चों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया, जिनमें दौड़, कूद, साइकिल रेस और बॉल गेम्स शामिल थे। इस उपलक्ष पर पालकों के लिए भी कुछ मनोरंजन खेल गतिविधियां रखी गई थीं जिसमें सभी पालकों ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया। शाला की संचालिका श्रीमती मंजुला पाठक ने बताया कि स्कूल के प्राइमरी कक्षा के छात्र छात्राओं ने संभाग स्तर पर 9 मेडल जीते जिसमें दो गोल्ड सिल्वर एवं चार ब्रांन्ज मेडल शामिल है। जिसमें वेदांश सोनी, वर्तिका कश्यप, चाहत पवार, विहाना माथनकर, वृतिका माथनकर, वरदान मिश्रा, अनंत शर्मा, कौटिल्य वर्मा,भव्या मदान शामिल है। यही नहीं इन बच्चों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बैतूल जिले का नाम बढ़ाया है। शाला की संचालिका श्रीमती मंजुला पाठक ने हमें बच्चों पर गर्व है। वे न केवल खेलकूद में उत्कृष्ट हैं, बल्कि वे अच्छे नागरिक भी बन रहे हैं। हमारे स्कूल में खेलकूद को बहुत महत्व दिया जाता है।

विशाल शोभायात्रा के साथ गीता ज्ञान सप्ताह शुरू

गीता जयंती के उपलक्ष्य में सात दिवसीय आयोजन का शुभारंभ

बैतूल। ब्रह्माकुमारीज के सारणी स्थित सेवा केंद्र द्वारा रविवार सुबह बगडोना और सलैया में एक विशाल शोभायात्रा निकालकर गीता ज्ञान प्रवचन सप्ताह का शुभारंभ किया गया। शोभायात्रा आयोजन स्थल शिव मंदिर सलैया पहुंची। इस शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण वाहन पर सजा शिव भोलेनाथ का रथ तथा रथ को संभालते हुए श्री कृष्ण की झांकी रही। शोभायात्रा में वाहन पर शिव भोलानाथ का रथ सजाया हुआ था, जिसमें सामने नंदीगण, सबसे ऊपर शिव ज्योतिर्लिंग और साथ ही सुन्दर रथ पर श्रीकृष्ण रथ को संभालते दिखे। रथ में गीता ज्ञान प्रवचन माला की मुख्य वक्ता सिवनी से पधारी योग

शक्ति नेहा दीदी, ब्रह्माकुमारीज बैतूल की संचालिका ब्रह्माकुमारी मंजू दीदी, ब्रह्माकुमारीज सारणी से ब्रह्माकुमारी सुनीता दीदी विराजमान थे। ब्रह्माकुमारी के अनुयायियों द्वारा निकाली गई झांकी बगडोना, सलैया और आसपास के क्षेत्र को आयोजन के लिए निमंत्रण दिया गया। ब्रह्माकुमारी द्वारा सारणी में भी इससे पूर्व गीता ज्ञान प्रवचन सप्ताह का आयोजन इसी वर्ष जनवरी में किया गया था। सात दिन चलने वाले इस गीता प्रवचन में रामायण, महाभारत तथा श्रीमद् भागवत गीता पर आधारित प्रवचनों के माध्यम से गीता ज्ञान का आध्यात्मिक और व्यवहारिक रहस्य बताया जाएगा। जिसके द्वारा भगवत ज्ञान को जीवन में चरितार्थ करना सहज अनुभव होगा। गीता ज्ञान प्रवचन सप्ताह का शुभारंभ ब्रह्माकुमारी मंजू दीदी, बीके नेहा दीदी, बीके सुनीता दीदी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। पहले दिन महाभारत और गीता का महत्व बताते हुए योग शक्ति नेहा दीदी ने महाभारत प्रसंग और गीता उपदेश की महत्ता को विस्तार पूर्वक स्पष्ट किया। विदित हो कि यह आयोजन 15 से 21 दिसम्बर तक चलेगा, जिसमें सभी बगडोना, सलैया निवासी धर्मप्रेमी बंधुओ और बहनों से आग्रह किया गया है कि पहुंचकर इस कार्यक्रम का लाभ उठाएं।

मनुष्य के जीवन को सशक्त बनाता है गीता पाठ : देवीदास

बैतूल/आठनेर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद से संबंधित नवांकुर संस्था, जागृति ग्राम विकास समिति बरखेड़ द्वारा सेक्टर के ग्रामों में गीता जयंती के अवसर पर गांव-गांव में गीता पाठ का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें ग्राम गोंडी घोघरा में गीता पाठ किया गया। समिति अध्यक्ष देवीदास गावड़े ने कहा कि गीता पाठ मनुष्य के जीवन का आधार है। बड़े-बड़े वैज्ञानिक नित्य गीता पाठ करके उससे प्रेरणा लेकर बड़े-बड़े लक्ष्य को हासिल कर रहे हैं। गीता जीवन जीने की कला है। आज समाज में कई सारे दुर्योधन हो गए है, इसलिए आवश्यकता है कि गांव-गांव और घर-घर गीता पाठ हो। जिससे समाज में अर्जुन बन सके और समाज का उत्थान हो। इस अवसर पर सतीश ठाकरे, गोवर्धन राने, आशुतोष सिंह चौहान, कैलाश आजाद, मीनाक्षी आहके, सुनील झोड़ सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ बैतूल में राष्ट्रीय हिंदू सेना ने किया प्रदर्शन

पतंजलि योगपीठ के स्वामी परमार्थदेव भी प्रदर्शन में हुए शामिल

बैतूल। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों और कट्टरपंथी ताकतों के लगातार हमलों के विरोध में रविवार को बैतूल के हिंदू समाज ने राष्ट्रीय हिंदू सेना के नेतृत्व में कारगिल चौक पर बांग्लादेश सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। सैकड़ों युवाओं ने इस दौरान नारेबाजी करते हुए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री मोहम्मद युनुस का पुतला दहन किया और हिंदुओं की रक्षा की मांग की। विरोध प्रदर्शन में शामिल सैकड़ों युवाओं ने नगर में वाहन रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन को व्यापक रूप दिया। वाहन रैली कांति शिवा चौक पहुंची, जहां भारत माता की आरती की गई और पूजन कर हिंदुओं की सुरक्षा का संकल्प लिया गया। पतंजलि योग पीठ हरिद्वार के केंद्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थदेव भी प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सनातन ऋषि

परंपरा को बचाने और विश्व को शांति की ओर ले जाने के लिए सभी को जातिवाद छोडक़र एकजुट होना पड़ेगा। हिंदुत्व पर हो रहे हमलों के खिलाफ समाज को जागरूक होने की जरूरत है। विश्व हिंदू परिषद के विभाग सह मंत्री महेंद्र साहू ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर कट्टरपंथियों द्वारा संगठित हमले किए जा रहे हैं। बीते पांच महीनों से हिंदू परिवारों की हत्या, महिलाओं से दुष्कर्म, मंदिरों में तोडफ़ोड़ और मूर्तियों को खंडित करने की घटनाएं हो रही हैं।

कलश यात्रा के साथ आज होगा भागवत कथा का शुभारंभ

प्रसिद्ध कथावाचक अतुल कृष्ण शास्त्री के मुखारविंद से आयोजित होगी कथा

बैतूल। केसर बाग में आज 16 दिसंबर से 22 दिसंबर 2024 तक श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। वृंदावन से पधारे प्रसिद्ध कथावाचक अतुल कृष्ण शास्त्रीजी अपने मुखारविंद से श्रीमद्भागवत कथा का अमृतपान कराएंगे। इस आयोजन का शुभारंभ आज 16 दिसंबर सोमवार को सुबह 11 बजे कलश यात्रा के साथ होगा। यह कलश यात्रा सलूजा निवास, आनंद वैभव, साहनी सुपरबाजार के पास से शुरू होकर केसर बाग तक जाएगी। कथा वाचन प्रतिदिन दोपहर 1.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक होगा। कार्यक्रम के आयोजक रामशरण सलूजा परिवार, पुष्करलाल सलूजा परिवार, ओमप्रकाश सलूजा परिवार, देशराज सलूजा एवं समस्त सलूजा परिवार ने सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर भागवत कथा का पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है। यह आयोजन पूर्वजों की स्मृति और सभी स्वजनों के सहयोग से किया जा रहा है। इस अवसर पर श्रद्धालु आत्मज्ञान, तत्वज्ञान और भक्ति के माध्यम से प्रभु से साक्षात्कार कर सकेंगे। कथा में 17 दिसंबर को श्री कृष्ण कुन्ती संवाद, श्री भीष्म स्तुति, परीक्षित जन्म, 18 दिसंबर सृष्टि विस्तार, कपिलोपख्यान, ध्रुव चरित्र, 19 दिसंबर श्री प्रहलाद चरित्र, वामन अवतार, श्री राम जन्म, श्री कृष्ण जन्मोत्सव, 20 दिसंबर श्री कृष्ण बाल लीला, श्री गोवर्धन पूजन, 21 दिसंबर महारास लीला, कंस उद्धार, श्री कृष्ण-रुक्मिणी विवाह, 22 दिसंबर द्वारिका लीला, सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष, कथा विश्राम और रक्तदान शिविर का आयोजन मां शारदा सहायता समिति के सहयोग से किया जाएगा।

'ऑपरेशन सबक' के तहत पुलिस दे रही सीख सोशल मीडिया पर सोच समझ कर डालें पोस्ट

देवास/मोहन वर्मा। पुलिस द्वारा किये जा रहे नवाचारों के तहत अब सोशल मीडिया पर खुद को तीसमारखां बताने वाली ऊलजलूल पोस्ट पर पुलिस की कडी नजर है और ऐसे व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। एक ताजा मामले में ऐसे ही एक व्यक्ति की पोस्ट को लेकर पुलिस ने कार्यवाही कर संबंधित को सबक सिखलाया। पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद के द्वारा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक एवं भड़काऊ पोस्ट कर अशांति फैलाने वालें असामाजिक तत्वों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये गये है । सोशल मीडिया सेल के द्वारा लगातार आपत्तिजनक/ भड़काऊ/अशांति/दहशत फैलाने वाली फोटो/वीडियो पर निगरानी रखी जा रही है। इसी तारतम्य में थाना बरोठा क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर पिस्टल के साथ आपत्तिजनक स्टोरी पोस्ट की । जिस पर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन एवं उप पुलिस अधीक्षक (एलआर) श्री संजय शर्मा के निर्देशन में थाना बरोठा टीम के द्वारा संबंधित व्यक्ति की पहचान कर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई । जांच के दौरान सामने आया कि व्यक्ति द्वारा उपयोग की गई पिस्टल वास्तविक नहीं बल्कि एक लाईटरनुमा पिस्टल थी । उसने इसे शौकिया तौर पर उपयोग करते हुए सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो पोस्ट किए थे । उक्त व्यक्ति की इंस्टाग्राम आईडी से संबंधित फोटो और वीडियो तुरंत डिलीट करवाए गए एवं वैधानिक कार्यवाही कर सख्त चेतावनी दी गई कि भविष्य में इस तरह के आपत्ति जनक पोस्ट न करें। व्यक्ति को यह समझाया गया कि इस प्रकार की गतिविधियां समाज में गलत संदेश फैलाती हैं। उल्लेखनीय है कि पुलिस अधीक्षक देवास के नेतृत्व में जिला देवास में 1 दिसम्बर 2024 से प्रारंभ किए गए 'ऑपरेशन सबक' के तहत सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट/वीडियो पोस्ट करने वाले अब तक कुल 6 असामाजिक तत्वों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई है । देवास पुलिस का यह अभियान आगामी दिनों में भी जारी रहेगा। पुलिस अधीक्षक ने उल्लेखनीय कार्य करने वाली समस्त टीम को प्रशंसित करते हुए आगामी प्रकरणों में और अधिक दक्षता से कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

साइबर सुरक्षा आज की सबसे बड़ी चुनौती है : डॉ. वरूण कपूर

देवास/मोहन वर्मा। सेन्ट्रल इण्डिया एकेडमी में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षाा मण्डल से सम्बद्ध देवास सहोदया स्कूल्स काम्पलेक्स विद्यालयों के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिये साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र के मुख्य वक्ता विशेष पुलिस महानिरीक्षक, (आर.ए.पी.टी.सी.) श्री वरूण कपूर (आई.पी.एस.) थे। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम मॉ सरस्वती के चित्र पर द्वीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ किया गया। तत्पश्चात् विद्यालय के निदेशक श्री चरनजीत सिंह अरोरा एवं प्राचार्या एवं देवास सहोदय स्कूल्स काम्पलेक्स की अध्यक्ष श्रीमती रीटासिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। उक्त प्रशिक्षण में देवास जिले के लगभग 13 सी.बी.एस.ई. विद्यालयों पायोनियर पब्लिक स्कूल, विंध्याचल एकेडमी, मॉ जिनवानी पब्लिक स्कूल, पुष्पगिरि, द एवरेस्ट स्कूल, फेथ फाउण्डेशन ग्लोबल एकेडमी, ओपन स्काय एकेडमी, हाटपिपलिया, न्यू ऐरा हायर सेकण्डरी स्कूल, कौटिल्य एजुकेशन एकेडमी, ब्राईट स्टार सेन्ट्रल एकेडमी, सेंट एंटोनी कांवेंट स्कूल, सोनकच्छ, प्रतिभा ग्लोबल स्कूल, भौंरासा, सतपूड़ा एकेडमी के करीब 1000 छात्र-छात्राओं एवं 150 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया। जिसमें कक्षा 6 से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण लिया। मुख्य वक्ता श्री वरूण कपूर ने छात्र-छात्राओं को अपने उदबोधन में कहा कि साइबर सुरक्षा आज की सबसे बड़ी चुनौती है साइबर क्राईम, साइबर सिक्योरिटी एवं साइबर अपराध की जानकारी देते हुए बताया कि फिशिंग, बुलिंग, स्टॉकिंग, गेमिंग इत्यादि साइबर अपराध की घटनाएँ बढ़ रही है। इसे आपको समझना होगा व सतर्क एवं जागरूक रहना होगा तभी आप साइबर अपराध का शिकार होने से बच सकते है। साइबर अपराधी दिन-प्रतिदिन नये नये तरीकों से साइबर अपराधों को अंजाम दे रहे है। अपने डाटा को सुरक्षित रखने के लिये दिशा-निर्देशों का पालन करें। किसी भी ऑनलाईन/सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपनी निजी जानकारी जैसे जन्मतिथि, मोबाईल नम्बर, पता इत्यादि साझा न करें। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनम पोस्ट न करें। अनजान ई-मेल/पोस्ट का जवाब न देंवे। अपने खाते का पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। अपरिचित व्यक्ति जिसे आप नहीं जानते उन्हें ब्लॉक करें। अलग-अलग अकाउण्ट के लिये अलग-अलग एवं मजबूत पासवर्ड बनायें। झांसे या प्रलोभन में न आवें। बैंक में पंजीकृत मोबाईल नम्बर पर भेजी गई लिंक/ओटीपी को किसी दूसरे नम्बर पर फारवर्ड न करें। अनजान लिंक को ओपन न करें। आप किसी सोशल मीडिया पोस्ट, मेल, चैटिंग से असहज हो तो तुरंत अपने माता-पिता को अथवा विश्वसनीय व्यक्ति को बतावें और पुलिस में शिकायत करें आदि कई महत्वपूर्ण जानकारियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। तत्पश्चात् जिज्ञासु छात्र-छात्राओं के रोचक प्रश्नों के उत्तर देते हुए उसके समाधान बताये, जिसे विडियो के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दो छात्र-छात्राओं क्रमशः कु. तनिष्का मेहता एवं आरव शाह को डॉ. कपूर ने प्रमाण-पत्र व गोल्डन बैज प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्राचार्या एवं सहोदय स्कूल काम्पलेक्स की अध्यक्ष श्रीमती रीटासिंह एवं सभी विद्यालयों द्वारा श्री वरूण कपूर (आई.पी.एस.) को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। प्रशिक्षण शिविर के सफल संचालन में निरीक्षक श्रीमती पूनम राठौर व उनकी टीम के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पेंशनर डे मनेगा कल

भोपाल। पेंशनभोगी स्वर्गीय डी.एस. नाकारा के पक्ष में सर्वोच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बाई. वी. चंद्रचूड ने 17 दिसंबर 1982 को ऐतिहासिक निर्णय सुनाया था। स्वर्गीय डी. एस. नाकारा को कृतज्ञता के साथ याद करने के लिए पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा प्रतिवर्ष की भांति 17 दिसंबर को पेंशनरों के सम्मान में 42 वा पेंशनर दिवस का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन अंबेडकर पार्क, लिंक रोड नंबर-2, सेकंड स्टाप पर प्रातः 11:00 बजे होगा। एसोसिएशन के भोपाल जिले के अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने बताया कि पेन्शनर्स डे पर 75 वर्ष एवं उससे ऊपर आयु के पेंशनरों को सम्मानित किया जाएगा। एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी एवं प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना के अनुसार न्यायालय में दायर याचिकाओं के संबंध में भी विस्तार से पेंशनरों को जानकारी दी जाएगी साथ ही पेंशनरों की लंबित मांगों के संबंध में भावी आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी। पेंशनर दिवस पर भोपाल संभाग आयुक्त को मुख्य अतिथि एवं कलेक्टर भोपाल को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

भाजपाई नेता ने लगाया ज्वेलर्स को जबरदस्त फटका..

नर्मदापुरम। नगर के एक सराफाई को एक भाजपाई नेता ने लम्बा चूना लगाकर आधा करोड़ से ऊपर के गड्ढे में डाल दिया, संबंधित सराफाई की आज दुकानें बंद होने के कारण सराफा बाजार में मामले की चर्चा तेज है कि सेठजी को फटका तगड़ा लगा है। लगभग एक सप्ताह हो चला सराफा बाजार स्थित सराफाई को भाजपा के एक नेता ने जमकर चूना लगा दिया है उसकी वसूली के लिए आज सेठजी की दोनों दुकानें बंद है..? सराफा एसोसिएशन में इस बात की मोटी मोटी जानकारी है लेकिन वे भी खुलकर बताने में हिचकिचा रहे, मामला थाने कचहरी पहुंच गया तो कैसे बता पायेंगे दुकान दारी एक नंबर में ही चलाई जाती है। हालांकि सुना जा रहा है लेन-देन चैक के जरिए हुआ है अब सवाल उठता है लेन-देन अगर चैक से हुआ है तो फिर सेठ जी परेशान क्यों हैं..? मामला सप्ताह भर पहले का है। चूना लागने वाले भाजपाई ने सिवनी बानापुरा मार्ग पर हालिया में बड़ा माल शुरू किया है फीता विधायक जी ने काटा है सोशल मीडिया पर नेताजी सहित माल का यशोगान तक खुद विधायक जी कर रखी हैं। बढ़िया है सभी को तरक्की मिले सभी सुखी हो, लेकिन चिटिंग से नहीं..? जैसे सराफाई कारोबारी से भाजपाई नेता ने चिटिंग की है, जेबर लेने भाजपाई नेता सराफाई की दुकान पर अकेले पंहुचा था ऐसा बताया जा रहा है। वहां उसने 820 ग्राम सोने के जेवरात लिए एक चैक दिया बाकी नगदी भेज रहा कहकर जेवरात ले गया। और अब व्यापार में पिटे पिटाए सराफा बाजार में इस सराफाई की घटना की हलचल दौड़ रही। पर जो हुआ वह ठीक ही नहीं बहुत गलत हुआ, चोट खाए सराफाई की घटना ने आज से आठ साल पहले एक सराफाई के साथ हुई नगरपालिका के हो रहे चुनाव के दिनों की एक घटना की याद ताजा करा दी, सराफाई शराफत में गिरवी रखे जेबरात संबंधित उस प्रतिष्ठित व्यापारी के घर पहुंचा जिसने जेबर गिरवी रखे थे व्यापारी ने घर के भीतर से जेबर दिखा कर ला रहे बोलकर सराफाई से जेबर लेकर घर के भीतर जाने के बाद कुछ देर बाद उतनी ही तेजी से पलटी खाकर सराफाई से पूछा था क्यों भाई साहब सब कुशल मंगल है ना, कैसे बैठे हो ना सराफाई को यहां कांटों तो खून नहीं बचा कैसे साबित करेगा जेवरात दिखाने के लिए भीतर ले जाने दिए शराफत में पिटे सराफाई का मामला देवयोग से सुलझ गया था। अब इस बेचारे सराफाई का मामला भला देखें कैसे सुलझता है, धर्माचार्य के दरबार में भी यह खबर पहुंच चुकी आज सराफाई की बंद दुकानें देखकर बहुत सारे कयास लगाए जा रहे हैं लेकिन वे सही नहीं, शरीफ सराफाई भोपाल अपनी रिस्तेदारी में जन्मदिन में शामिल होने पहुंचे हैं।

उप मुख्यमंत्री ने हिनौती गौधाम में कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा निवास स्थित कार्यालय में हिनौती गौधाम में कराए जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा की तथा अधिकारियों से अब तक हुए कार्य की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने शेड निर्माण, फेंसिंग कार्य, प्रशासनिक भवन निर्माण तथा हाई मास्क लाइट लगाए जाने की समीक्षा की तथा निर्देश दिए कि हिनौती गौधाम में स्वीकृत सभी कार्यों को शीघ्र पूरा कराएं। इस दौरान अध्यक्ष जनपद पंचायत गंगेव विकास तिवारी, समाजसेवी राजेश पाण्डेय सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

धार जिले के 30 मंडलों में सहमति से निर्वाचित किए मंडल अध्यक्ष

भारतीय जनता पार्टी के मंडल पर्व अंतर्गत मंडल अध्यक्ष के नामों की घोषणा हुई

धार। भारतीय जनता पार्टी के मंडल पर्व अंतर्गत निर्वाचित जिले के 30 मंडल अध्यक्षों की शनिवार को जिला निर्वाचन अधिकारी व भोपाल विधायक रामेश्वर शर्मा ने घोषणा की।

जिला निर्वाचन अधिकारी व भोपाल विधायक रामेश्वर शर्मा ने नवनिर्वाचित अध्यक्षों के नामों की सूची जारी कर बताया कि, भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के निर्वाचन अधिकारी विवेक नारायण शेजवलकर के अनुमोदन, पर्यवेक्षक सुधीर गुप्ता की सहमति के बाद भाजपा जिला धार में मंडल अध्यक्ष निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई। जिसमें धार जिले के 39 मंडलों में से सर्व सहमति से निर्वाचित 30 मंडल अध्यक्ष की घोषणा की गई है।

प्रदेश निर्वाचन अधिकारी विवेक नारायण शेजवलकर जिला निर्वाचन अधिकारी रामेश्वर शर्मा,जिला सह अधिकारी का आभार मानते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष ने नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष के उज्जवल भविष्य की कामना की।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि नव निर्वाचित मंडल अध्यक्ष इस प्रकार है। धार विधानसभा से सेनापति मंडल विशाल निगम कशाभाऊ ठाकरे मंडल जयराम, धार ग्रामीण जीवन सिंह पटेल, तिरला मंडल शुभम पाटीदार, दिग्ठान मंडल नारायण सिंह, पीथमपुर मंडल गणेश जायसवाल, सागोर मंडल मनोज धाकड़, धरमपुरी पूरी विधानसभा से धरमपुरी नगर मंडल प्रशांत शर्मा, गुजरी मंडल करण काहीर, नालछा मंडल रघु नीनामा, बगड़ी मंडल लोकेन्द्र चौधरी, बदनावर विधानसभा से बदनावर ग्रामीण गोविन्द रघुवंशी, बरवतगढ़ संजय (राठौर), बिडवाल मंडल संतोष पाटीदार, सादलपुर मंडल अर्चना दीपक राठौर, सरदारपुर विधानसभा से सरदारपुर मंडल ऊँकार जाट, लाबरिया राजोद मुकेश शर्मा, कुक्षी विधानसभा से कुक्षी नगर मंडल युवराज सेपटा, कुक्षी ग्रामीण पप्पू देसाई, बडदा मंडल कैलाश डावर, डही मंडल पूनम मण्डलोई, **मनावर विधानसभा**- मनावर नगर मोनू पाटीदार, मनावर ग्रामीण सोहन सोलंकी, सिंघाना मंडल प्रकाश पांडे, उमरबन मंडल देवीसिंह चौहान, बाकानेर मंडल अरविंद तंवर, **गंधवानी विधानसभा से**- जीराबाद मंडल भागीरथ राठौर, बाग मंडल सुरेश सिसोदिया, टांडा मंडल अमर सिंह सोलंकी, कछावदा मंडल राजू बघेल को मंडल अध्यक्ष बनाया गया है।

नेशनल लोक अदालत का हुआ सफलतापूर्वक आयोजन

धार। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली, एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार 14 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया।

नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ मुख्य न्यायाधिपति म.प्र. उच्च न्यायालय जबलपुर सुरेश कुमार कैत, के द्वारा ऑनलाईन माध्यम से किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, संजीव कुमार अग्रवाल जिला मुख्यालय पर पदस्थ समस्त न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण, बैंकिंग कंपनी मैनेजर, विद्युत वितरण कंपनी के पदाधिकारी, एवं दूरसंचार विभाग के पदाधिकारी उपस्थित रहें।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, के सचिव उमेश कुमार सोनी द्वारा बताया गया कि नेशनल लोक अदालत हेतु संपूर्ण जिले के लिए कुल 41 खंडपीठ का गठन किया गया था। नेशनल लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के दाण्डिक एवं सिविल राजीनामा योग्य कुल 1119 लंबित मामलों का निराकरण आपसी समझौते के आधार पर किया गया, जिसमें 2745 व्यक्ति लाभान्वित हुए व 11,83,67,728/-रूपये (ग्यारह करोड़ त्रिरासी लाख सडसठ हजार सात सौ अठाईस रूपये मात्र) के अवार्ड पारित किये गये, साथ ही 3168 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया गया, जिसमें कुल 5,97,76,819/- (पांच करोड़ सन्तानवे लाख छियात्तर हजार आठ सौ उन्नीस रूपये मात्र) की वसूली हुई तथा 3168 व्यक्ति लाभान्वित हुए। इस प्रकार आज की नेशनल लोक अदालत के माध्यम से सकल कुल 4287 प्रकरण निराकृत कर कुल 17,81,44,547/- (सत्रह करोड़ इक्यासी लाख चौवालीस हजार पांच सौ सैतालीस रूपये मात्र) राशि अवार्ड पारित किये गये, जिसमें 5913 लोग लाभान्वित किये गये। लोक अदालत से निराकृत प्रकरण के पक्षकारों को न्याय वृक्ष के रूप में अनार, आम, कटहल, जामुन, खिरनी आदि वितरित किये गये।

विश्व की पहली नदी जोड़ो परियोजनाओं से लाभान्वित होगा मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री

भारत की नक्षत्र आधारित काल गणना की विधि सर्वाधिक सटीक

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व की पहली नदी जोड़ो परियोजना आकार लेने जा रही है। यह उनके द्वारा देश को दी गई एक बड़ी सौगात है, सौभाग्य है कि इससे मध्यप्रदेश लाभान्वित होगा और ग्वालियर अंचल को एक नहीं दो-दो परियोजनाओं का लाभ मिलेगा। केन-बेतवा लिंक परियोजना का अनुमानित बजट एक लाख करोड़ रुपए है। इसके साथ ही पावर्ती-काली-सिंध-चंबल लिंक परियोजना का भी क्रियान्वयन आरंभ हो रहा है। शिवपुरी एक मात्र ऐसा जिला होगा, जो इन दोनों महत्वाकांक्षी परियोजनाओं से लाभन्वित होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस आशीर्वाद से आने वाली पीढ़ी मध्यप्रदेश की प्रगति और उन्नति का एक नया इतिहास रचेगी और मध्यप्रदेश एक आदर्श राज्य के रूप में आकार लेगा। इससे बुंदेलखण्ड क्षेत्र के साढ़े आठ लाख निवासी लाभान्वित होंगे। लॉर्ड मैकाले द्वारा लागू शिक्षा व्यवस्था के परिणाम स्वरूप विद्यार्थियों का सम्पूर्ण मनोविकास बाधित रहा। नई शिक्षा नीति ने ज्ञानार्जन की जिज्ञासा का समाधान करते हुए छात्र-छात्राओं के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास के अवसर प्रदान किए हैं। विद्यार्थियों में जिज्ञासा के भाव को बनाए रखने और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों की नवीनतम जानकारियां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ही युवा संवाद कार्यक्रम आरंभ किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ग्वालियर में अटल बिहारी वाजपेयी अंतर्राष्ट्रीय कंवेंशन सेंटर में जीवाजी विश्वविद्यालय के 'युवा संवाद' कार्यक्रम में विद्यार्थियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने विद्यार्थियों की कई जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा उनसे विभिन्न विषयों पर चर्चा भी की।

काल गणना का केंद्र है उज्जैन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विज्ञान की दुनिया के एक अनूठे संग्रहालय का शुभारंभ हुआ है, ग्वालियर के लिए आज का दिन विशेष है। सिंधिया राज्य की दूसरी राजधानी उज्जैन काल की गणना का केंद्र रहा है। विश्व में समय की गणना को सूर्य या चंद्राम से जोड़ा गया है। जबकि भारत में काल की गणना का आधार नक्षत्र रहे हैं। यह समय की सूक्ष्मतम और सर्वाधिक सटीक गणना है। इस परम्परा के आधार पर ही पंचांग हमें सूर्यग्रहण, चंद्रग्रहण और अन्य खगौलीय घटनाओं की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराते हैं। सनातन संस्कृति की इस विधा के परिणाम स्वरूप ही देश का जन-जन समय की गणना को सरलतापूर्वक समझने में सक्षम हो पाया।

भू-गर्भीय गतिविधियों और खगोल विज्ञान पर युवाओं से किया संवाद- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भू-गर्भीय गतिविधियों, खगोल विज्ञान, पृथ्वी की उत्पत्ति और जन-जीवन विषयों पर विद्यार्थियों से संवाद किया। संवाद के दौरान चंद्रमा और पृथ्वी के परस्पर संबंध, ग्रहों की महत्ता और उनके मानव जीवन पर प्रभाव, घड़ी के सिद्धांत और संत-समाज की परम्पराओं के संबंध में विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

युवा विश्व का भविष्य : केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया- केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि युवा प्रदेश और देश ही नहीं, विश्व का भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव युवाओं के साथ संवाद ही नहीं, प्रदेश के एक-एक अंचल का निर्माण कर रहे हैं। उनके अंदर मध्यप्रदेश को अग्रणी बनाने की कशिश और जज्बा है। उन्होंने युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिये विभिन्न योजनाएँ, औद्योगिकीकरण विकास के लिये कॉन्क्लेव और इंटरप्रेन्योरशिप के लिये स्टायपेड की व्यवस्था की है। हमारे मध्यप्रदेश का वैभव, भविष्य और शिल्पकार यह युवा पीढ़ी ही रहेगी। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के युवा देश, प्रदेश और विश्व का निर्माण करने में अपनी सर्वश्रेष्ठ भूमिका निभायेंगे।

पूरी दुनिया भारत को ''विकसित भारत'' के रूप में देखेगी : विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर- विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज ग्वालियर की पावन धरा पर युवाओं से संवाद करने आये हैं, मैं उनका हृदय से स्वागत और अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि कोई भी संस्था हो, कोई भी क्षेत्र हो, कोई भी राज्य हो या कोई भी देश हो उसका भविष्य नौनिहाल बच्चे ही हुआ करते हैं। आजादी के जब 100 वर्ष पूरे होंगे और आज का भारत विकसित भारत के रूप में पूरी दुनिया देखेगी, उस समय आज की पीढ़ी साक्षी बनेगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी का प्रयास है कि भारत विश्व में विकसित राष्ट्र के रूप में उभर कर सामने आये। इस दिशा में सभी को साथ चलने की जरूरत है और सभी को अपना योगदान देने की जरूरत है। विधानसभा अध्यक्ष ने महारानी लक्ष्मीबाई, सरदार भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को याद करते हुए कहा कि आजादी के युद्धों में हमारे अधिकांश महान यौद्धा भी युवा अवस्था में थे, जिन्होंने भारत माता के पैरों में पड़ी हुई परतंत्रता की बेड़ियों को काटने के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नगर निगम ग्वालियर द्वारा नागरिक स्वच्छता संबंधी शिकायतों के निराकरण के लिये बनाये गये 'सेवा मित्र'' एप को लांच किया। उन्होंने ग्वालियर संभाग के जिलों में 1202 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण, भूमि-पूजन कर हितलाभ वितरण भी किया। कार्यक्रम में ग्वालियर के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह, जन-प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। प्रारंभ में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन ने युवा संवाद कार्यक्रम में हुई गतिविधियों की जानकारी दी।

नजूल भूमि बेचने की हुई शिकायत पर मचा कोहराम, विधि सम्मत कार्रवाई के लिए सामने आई आप पार्टी जिलाध्यक्ष

नर्मदापुरम। आम आदमी पार्टी आरटीआई विंग जिलाध्यक्ष सीताशरण पाण्डेय ने नगरपालिका परिषद के पदेन अध्यक्षों सहित तत्कालीन मुख्य नगरपालिका अधिकारीयों द्वारा शासकीय नजूल भूमि बेचें जाने पर वैधानिक कार्रवाई के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को आवेदन देकर हड़कंप मचा दिया है। आम आदमी पार्टी आरटीआई विंग जिलाध्यक्ष द्वारा उठाए गए इस मामले की लपटों में कौन-कौन झुलता है यह देखने वाली बात है लेकिन इस मामले ने एक तरह से यह साबित कर दिया कि जिम्मेदार पदों पर बैठे प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि यहां तक गणमान्य नागरिक पद के योग्य नहीं..? फिर नगर में यह पहला मामला नहीं जिसमें सभी जिम्मेदार न तू मेरी कह न में तेरी कहूं की तर्ज पर केवल धनोपार्जन में लगा हुआ है। ऐसे में सवाल यह भी उठता है कि विपक्ष की भूमिका निभाने वाली कांग्रेस आखिर मुख्यालय पर कहां है..? आरटीआई विंग जिलाध्यक्ष सीताशरण पाण्डेय ने अपनी शिकायत में सीधे सीधे शासकीय नजूल भूमि लक्ष्मीनीति के तहत बेचे जाने का आरोप लगाते हुए तत्कालीन नपाध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल, तत्कालीन मुख्य नगरपालिका अधिकारी अमर सत्य गुप्ता, प्रभात कुमार सिंह, नवनीत पाण्डेय द्वारा नजूल शीट नं 43 के प्लाट नं 3/1 में शिवाजी मार्केट की दूकान क्रमांक 40,41 के बीच जो शासकीय नजूल भूमि है। जिला चिकित्सालय प्रांगण में बने सुलभ काम्प्लेक्स में तथा जिला चिकित्सालय प्रांगण में आने जाने हेतु 30 × 20 = 600 फुट भूमि गेट हेतु जनहित में छोड़ा था। यह आज भी शासकीय अभिलेख नजूल दर्ज है। इसमें सबसे मजेदार बात यह है कि यह भूमि शासन द्वारा आवागमन के लिए रिक्त छोड़ी गई थी इस संबंध में नगरपालिका परिषद ने विधिवत पत्र क्रमांक 3564 दिनांक 18/11/2022 और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के पत्र क्रमांक 9701 दिनांक 12/12/2022 से स्पष्ट होता है। फिर तत्कालीन नगरपालिका के सभापति और पार्षद अजय रतलानी ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी को 5/1/2019 में जो पत्र लिखकर उस जमीन को अनुपयोगी बताते हुए उसकी नीलामी करने को लिखा जिससे नगरपालिका के राजस्व में वृद्धि हो लिखा यह सभी जिम्मेदार मातहतों के निर्देशानुसार 8/1/2019 को अखिलेश खंडेलवाल के कार्यकाल में नोटशीट पर चलती है और मुख्य नगरपालिका अधिकारी अमर सत्य गुप्ता अनुमोदित हो जाती है जो 2/12/2019 में नपाध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल द्वारा अनुमोदित होती है। तत्कालीन मुख्य नगरपालिका अधिकारी प्रभात सिंह द्वारा अनुमोदित किया जाता है और 17/5/2023 में वर्तमान नपाध्यक्ष श्रीमती नीतू महेंद्र यादव इस प्रस्ताव का अनुमोदन कर दो कोटेशन बुलाकर पवन हेमनानी के उच्चतम रेट 1025000 रुपए में शासकीय नजूल भूमि नीलाम कर दी जाती है। इस मामले को परिषद के विशेष सम्मेलन में 10/3/2023 में स्वीकृत कर मुख्य नगरपालिका अधिकारी नवनीत पाण्डेय ने परिषद के पत्र क्रमांक 2376 दिनांक 12/7/2023 को माध्यम से बोली के अनुसार 512500 रुपए जमा कर तीन महीने में दूकान निर्माण पूरा करने का आदेश प्रसारित किया.. इस पूरे घटनाक्रम पर अगर गौर किया जाए तो पिंक परिषद के गठन पर इस बार नगरवासियों को बहुत विश्वास था कि पढ़ी-लिखी महिला पार्षद गर्त में जा रहे नगर को गर्त में जाने से बचायेंगी जो धोखा साबित हो रहा..? पिंक परिषद में एक भी महिला पार्षद बिना पति के न तो कोई बयान दे पाती न किसी कागज पर हस्ताक्षर करती..? पार्षद दीगर नामों से ठेकेदारी कर रहे हैं इस पर पढ़ी-लिखी परिषद के सदस्य विरोध दर्ज नहीं कराते, कार्यालय में अधिकांश कर्मचारी विधायक और विधायक परिवार से संबंधित हैं फिर यह मामला विधायक की संज्ञान में नहीं आया, माना नहीं जा सकता, इतवारा बाजार में नगरपालिका की दूकान की कीमत एक करोड़ रुपए और मासिक किराया पचास हजार के बीच फिर दूकान सवा ग्यारह लाख में नीलाम कैसे हो गई..? फाइल बनाकर अपनी सीट बचाने वाले विधायक वैसे तो विधानसभा में प्रश्न लगाने के लिए पूरे प्रदेश में अव्वल माने जाते है लेकिन जमीन घोटाले के प्रश्न विधानसभा में नहीं उठाते..? नजूल भूमि नीलाम होने से आखिर नगरपालिका में विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव जो नपाध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव के पति हैं कैसे बचा नहीं पाए यह आश्चर्य है। बहरहाल आवेदक आम आदमी पार्टी की ओर से अनुरोध किया गया है कि दस्तावेजों का अवलोकन कर नजूल भूमि अवैध रूप से बेचने के मामले में पूर्व नपाध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल, तत्कालीन मुख्य नगरपालिका अधिकारी अमर सत्य गुप्ता, प्रभात कुमार सिंह, नवनीत पाण्डेय पवन हेमनानी के विरुद्ध हेराफेरी कर सरकारी जमीन बेचने और खरीदने पर विधि अनुसार आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग सीताशरण पाण्डेय ने की है।

नपा सहित प्रशासन की हो रही छीछालेदर.. सोशल मीडिया में नजूल भूमि बेचें जाने की शिकायत पर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने भले ही ऐक्शन नहीं लिया हो नहीं ले रहे हों..? लेकिन सोशल मीडिया पर मामले को लेकर नपा सहित प्रशासन की खासी छीछालेदर हो रही ऐडवोकेट दीपक तिवारी, सेवा निवृत्त अधिकारी शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव, विधासागर बहल, ज्ञानेन्द्र उपाध्याय, हितेश थुडगर द्वारा की टिप्पणियां इस विषय पर काफी मायने रखती है।

भोपाल में कैट शो कॉम्पिटिशन

10 हजार से लेकर 5 लाख कीमत तक की बिल्लियां कर रही पार्टिसिपेंट्स

भोपाल (नप्र)। भोपाल में रविवार को कैट शो कॉम्पिटिशन हो रहा है। यहां 5 हजार रुपए से लेकर 5 लाख रुपए तक बिल्ली आप देख सकते हैं। यह शो सुबह 10 बजे से कोहेफिजा के लेक व्यू गार्डन में हो रहा है। फिलाइन क्लब ऑफ इंडिया के अध्यक्ष साकिब पठान ने बताया, 'शहर में चौथी बार कैट शो हो रहा है।' फिलाइन क्लब ऑफ इंडिया की प्रमुख नाजनीन खान के मुताबिक, 'इस शो का मकसद बिल्ली पालने वालों को प्रोत्साहित करना है। हम इससे पहले भोपाल में 2019, 2022 और 2023 में कैट शो कर चुके हैं। देशभर में अब तक करीब 50 कैट शो किए हैं। क्लब के सेक्रेटरी नाजिश ने बताया शो में, '200 से अधिक कैट आई हैं।' कॉम्पिटिशन में डॉ. नुजहत सिद्दीकी अपनी ब्रिटिश शॉर्ट हेयर कैट के साथ आई हैं। उनकी कैट लास्ट ईयर टॉप-10 में आई थी। इस बार फिर पार्टिसिपेट किया है। उजेर साइबेरियन के अलावा बंगाल कैट लेकर आए हैं।

शो में 5 पैरामीटर पर होगा बिल्लियों का रिव्यू

कैट शो में शामिल बिल्लियों का रिव्यू तीन सदस्यीय ज्यूरी कर रही है। यही ज्यूरी तय करेगी कि शो में शामिल कौन सी बिल्ली शो स्टॉपर है। क्लब की प्रमुख नाजनीन ने बताया कि ज्यूरी बिल्लियों का रिव्यू पांच पैरामीटर पर करेगी। क्लब ने ज्यूरी को बिल्लियों के रिव्यू के लिए 1). ब्यूटीफिकेशन, 2). ब्रीड स्टैंडर्ड, 3). टेंपरामेंट, 4). हेल्थ और 5). हाइजीन पैरामीटर दिए हैं।

भोपाल में डिवाइडर से टकराकर पलटा ऑटो, चालक की मौत

रॉन्ग साइड से आ रहे बाइक सवार को बचाने की कोशिश में हादसा हुआ

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गोविंदपुरा इलाके में सांची दुग्ध संघ के पास एक ऑटो डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गया। चालक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उपचार के दौरान रविवार सुबह उसकी मौत हो गई।

परिजनों ने बताया कि यह हादसा रॉन्ग साइड से आ रहे बाइक सवार को बचाने के प्रयास में हुआ। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

प्रदीप लोधी (30) पिता रामलाल लोधी, बागमुगालिया का रहने वाला था। वह अपना लोडिंग ऑटो चलाता था। शनिवार सुबह सांची दुग्ध संघ के गेट नंबर पांच के पास से गुजरते समय यह हादसा हुआ। मृतक के मामा सुरेश ने बताया कि सामने तेज रफ्तार में रॉन्ग साइड से आता हुआ बाइक सवार दिखाई दिया। बाइक चालक बेहद करीब आ चुका था। उसे बचाने के प्रयास में प्रदीप का ऑटो अनियंत्रित हो गया और डिवाइडर पर चढ़ने के बाद पलट गया। इस दुर्घटना में प्रदीप को गंभीर चोटें आईं।

जेपी अस्पताल में उपचार करने से इनकार किया

मृतक के मामा ने बताया कि घटना के तुरंत बाद घायल प्रदीप को जेपी अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे भर्ती करने से इनकार कर दिया और उसकी गंभीर हालत का हवाला देते हुए हमीदिया अस्पताल ले जाने की सलाह दी। इस दौरान काफी खून बह चुका था। हालांकि उसे हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है। सीसीटीवी फुटेज चेक किए जाएंगे ताकि हादसे की सही वजह सामने आ सके।

तीन साल पहले हुई थी शादी

प्रदीप की शादी तीन साल पहले हुई थी। उसने लव मैरिज की थी, लेकिन उसकी कोई संतान नहीं थी। प्रदीप अपने फाइनेंस किए गए लोडिंग ऑटो से कमाई करता था, जिससे वह किश्तें चुकाने के साथ परिवार का खर्च भी चलाता था।

पचमढ़ी, अमरकंटक में 1 डिग्री पहुंचा तापमान

हाड़ कंपा देने वाली ठंड से अनूपपुर बेहाल

» 36 जिलों में शीतलहर का अलर्ट

» भोपाल-इंदौर में आज कोल्ड डे; 2 दिन और कड़ाके की ठंड

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में अगले 2 दिन और कड़ाके की ठंड पड़ेगी। 17-18 दिसंबर से ठंड से थोड़ी राहत मिल सकती है। इससे पहले पूरा प्रदेश शीतलहर की चपेट में है। प्रदेश के आधे हिस्से में सर्द हवाएं चलीं। वहीं, भोपाल, इंदौर समेत 36 जिलों में शीतलहर, कोल्ड डे का अलर्ट है। विदिशा, सीहोर, शाजापुर और रायसेन में पेड़-पौधों की पत्तियों पर बर्फ जम सकती है। मैकल पहाड़ी पर घने जंगल और ऊंचाई पर स्थित प्राकृतिक सौंदर्य स्थल अमरकंटक में एक बार फिर तापमान गिरने से यहां ओंस रूपी बर्फ जमा हो गई। इसी तरह अनूपपुर में रविवार की सुबह सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा। रात पचमढ़ी में पारा 1 डिग्री पर पहुंच गया। मौसम विभाग भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, उत्तर भारत से बर्फीली हवा आ रही है, जो स्ट्रॉन्ग है। इस वजह से पूरा प्रदेश ठिठुर रहा है। रविवार को भी ऐसा ही मौसम बना रहेगा।

इन जिलों में कड़ाके की ठंड का अलर्ट

शाजापुर, सीहोर, विदिशा, रायसेन, जबलपुर और शहडोल में ऑरेंज अलर्ट है। जबलपुर और शहडोल में शीतलहर चलेगी, जबकि बाकी जिलों में बर्फ तक जम सकती है। मंदसौर, रतलाम, बड़वानी, देवास, गुना, शिवपुरी, अशोकनगर, सागर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, दमोह, कटनी, उमरिया, सिवनी, मंडला, अनूपपुर, सिंगरौली में शीतलहर चल सकती है। इंदौर, सीधी, नरसिंहपुर, राजगढ़, बैतूल, धार, उज्जैन, राजगढ़ में कोल्ड डे का अलर्ट है।

नीमच में सर्द हवा चलने के साथ कोल्ड डे यानी, ठंडा दिन भी रह सकता है।

इस वजह से ठंड का असर तेज

पश्चिम-उत्तर भारत में 12.6 किमी की ऊंचाई पर 222 किमी प्रतिघंटा की गति से सब ट्रॉपिकल जेट स्ट्रीम हवाएं बह रही हैं। इस वजह से बर्फीली हवाएं प्रदेश में आ रही हैं, जिससे टेम्प्रेचर लुढ़क गया है।

पचमढ़ी लगातार प्रदेश में सबसे ठंडा

मध्यप्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी में पारा 1 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। शनिवार-रविवार की रात में यहां रिकॉर्ड ठंड पड़ी। उमरिया में 2.3 डिग्री और मंडला में 2.5 डिग्री दर्ज किया गया। रायसेन-राजगढ़ में 3.8 डिग्री रहा। नौगांव, मलाजखंड, रीवा, खजुराहो, सतना, टीकमगढ़ में तापमान 6 डिग्री के नीचे दर्ज किया गया। प्रदेश के पांच बड़े शहरों में भोपाल और जबलपुर सबसे ठंडे रहे। भोपाल में 4.2 डिग्री और जबलपुर में पारा 4 डिग्री दर्ज किया गया। इंदौर में सबसे ज्यादा 9.4 डिग्री रहा। ग्वालियर में 5.2 डिग्री और उज्जैन में 6.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

इस बार पहले पखवाड़े में ही कड़ाके की ठंड

इस साल दिसंबर की सर्दी ने ट्रेंड बदल दिया है। पिछले 10 साल का रिकॉर्ड और ट्रेंड देखें तो दिसंबर के दूसरे पखवाड़े में कड़ाके की ठंड पड़ती रही है लेकिन इस बार पहले ही पखवाड़े में तेज सर्दी का असर है। भोपाल और इंदौर की रात तो पिछले 2 साल में सबसे ठंडी रही हैं यानी दिसंबर की ठंड का रिकॉर्ड टूट गया है।

ओरछा में रामराजा मंदिर के बाहर युवती का डांस वायरल

थाना प्रभारी बोले- वीडियो की जांच कर रहे, कार्रवाई करेंगे

निवाड़ी (नप्र)। इसमें दिख रहा है कि युवती भोजपुरी गाने पर डांस कर रही है। यहां आए कई भक्तों ने आपत्ति जताई। उनका कहना था कि मंदिर में और उसके आसपास गाने पर डांस नहीं करना चाहिए। यहां दूर-दूर से लोग पूजा-अर्चना करने आते हैं, लेकिन इस तरह की घटनाएं मंदिर की गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं। प्रशासन को इस पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। ओरछा का रामराजा मंदिर अपनी धार्मिक महत्ता और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। इस मंदिर में प्रभु श्रीराम को राजा के रूप में पूजा जाता है। यहां हर दिन हजारों श्रद्धालु आते हैं, लेकिन मंदिर परिसर के बाहर युवती का डांस चर्चा का विषय बना हुआ है। वीडियो वायरल होने के बाद लोग प्रशासन से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए मंदिर प्रबंधन और प्रशासन को सतर्क रहना चाहिए। फिलहाल, सोशल मीडिया पर वीडियो के वायरल होने के बाद प्रशासन जांच में जुट गया है। मामले में ओरछा थाना प्रभारी रामबाबू शर्मा ने कहा कि वीडियो में जो युवती डांस कर रही है। पहले तो उसे आइडेंटिफाई किया जाएगा कि वह कौन है और कहां की है, उसके बाद कार्रवाई की जाएगी।

मप्र में भी इंडिया गठबंधन में टूट के आसार

- कांग्रेस के बाद अब समाजवादी पार्टी अलग से करेगी विधानसभा का घेराव

भोपाल (नप्र)। महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के इंडिया गठबंधन से अलग होने के बाद, अब मध्य प्रदेश में भी गठबंधन में टूट के आसार दिखाई दे रहे हैं। समाजवादी पार्टी ने प्रदेश की भाजपा सरकार के एक साल पूरे होने पर 17 दिसंबर को विधानसभा घेराव का ऐलान किया है। इससे पहले कांग्रेस पार्टी 16 दिसंबर को घेराव करने वाली है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी थी। खास बात यह है कि गठबंधन में होने के बावजूद कांग्रेस और सपा एक साथ बीजेपी के खिलाफ प्रदर्शन नहीं कर रही है। इससे दोनों पार्टियों के बीच फूट के आसार दिखाई दे रहे हैं।

बीजेपी सरकार की नीतियों के विरुद्ध सपा का प्रदर्शन

समाजवादी पार्टी की तरफ से ऐलान किया गया है कि वे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशन और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव के नेतृत्व में 17 दिसंबर, मंगलवार को भोपाल में विधानसभा का घेराव करेंगे। पार्टी की तरफ से कहा गया है कि मध्य प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार की नीतियां जनविरोधी हैं। प्रदेश मे बढ़ते अपराध, चोरी, लूट, हत्या, महिलाओं एवं नाबालिग बच्चियों के साथ छेड़छाड़, बलात्कार एवं हत्या जैसी जघन्य घटनाओं का विरोध करते हुए वे प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा सपा ने प्रदेश में किसानो की खाद एवं उचित समर्थन मूल्य की मांग, आदिवासियों, दलितो एवं पिछड़ों पर भाजपा के नेताओं कार्यकर्ताओं द्वारा किये जा रहे अत्याचार, बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं में धाँधली, सरकार के लोगो द्वारा किये जा रहे भाई-भतीजावाद जैसे मुद्दों को उठाकर विधानसभा घेराव का ऐलान किया है।

साकेत नगर की क्षतिग्रस्त हुई सड़कों का निर्माण मेट्रो एजेंसी से कराएंगे : राज्यमंत्री गौर

भोपाल (नप्र)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने रविवार को गोविंदपुरा क्षेत्र में 2 करोड़ 60 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। इस अवसर पर साकेत नगर के रहवासियों ने उनके क्षेत्र की क्षतिग्रस्त सड़कों की शिकायत की तो उन्होंने कहा कि जो सड़कें मेट्रो के निर्माण के चलते खराब हुई है उनका निर्माण मेट्रो एजेंसी से जल्द से जल्द कराया जाएगा। उन्होंने गोविंदपुरा क्षेत्र के रहवासियों की विभिन्न समस्याओं को सुना, साफ-सफाई और लो प्रेशर से पानी आने की शिकायत मिलने पर उन्होंने अधिकारियों को समस्या के निराकरण के लिए निर्देश दिए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने साकेत नगर के वार्ड 57 में शक्ति नगर, रंसरंग स्वीट्स के पीछे एक करोड़ 5 लाख की लागत से होने वाले डामरीकरण कार्य का भूमि-पूजन किया। साकेत नगर में 40 लाख रूपये की लागत के 4 A और B में डामरीकरण कार्य का भूमि-पूजन किया। 41 लाख रूपये के साकेत नगर 2 सी में जय मां दुर्गा भवानी मंदिर के पास बाउंड्री वॉल, शौचालय, सड़क और नाली के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया। वार्ड 57 के पंचवटी मार्केट में 65 लाख रुपए की लागत से डामरीकरण कार्य का भूमि-पूजन किया। इस दौरान पार्षद सुरेंद्र वाडिका, प्रताप सिंह बेस, टी आर मिश्रा, नीरज सिंह, अशोक पटेल, प्रदुमन शास्त्री शाहिद सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता और आवासी मौजूद रहे।।

पद्मश्री से सम्मानित बैगा चित्रकार जोधइया बाई बैगा का निधन

उमरिया(नप्र)। दुनिया भर में अपनी चित्रकारी से उमरिया जिले को पहचान दिलाने वाली प्रसिद्ध बैगा आदिवासी चित्रकार और पद्मश्री सम्मानित जोधइया बाई बैगा का निधन हो गया। बीते महीनों से उनकी हालत कई दिनों से गंभीर बनी हुई थी और इलाज के लिए उन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। उम्र अधिक होने और न्यूरो से संबंधित जटिलताओं के कारण उनके स्वास्थ्य में लगातार गिरावट आ रही थी। जोधइया बाई बैगा ने अपनी अद्भुत चित्रकला से न केवल उमरिया जिले बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया। उनकी कला में आदिवासी परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत चित्रण देखने को मिलता था। वे बैगा समुदाय की कला और संस्कृति की सशक्त पहचान थीं।

पिछले महीनें जोधइया बाई को न्यूरोलॉजिस्ट, नेफ्रोलॉजिस्ट और कार्डियोलॉजिस्ट की जरूरत थी, जो उमरिया जिला अस्पताल में उपलब्ध नहीं थे। उन्हें एसी एंबुलेंस से जबलपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया था। हालांकि, उनकी स्थिति अत्यधिक कमजोर हो चुकी थी और भोजन न कर पाने के कारण उनका शरीर और अधिक दुर्बल हो गया था।

देश ने खोया एक सांस्कृतिक सितारा: जोधइया बाई बैगा का निधन कला और संस्कृति के क्षेत्र में एक बड़ी क्षति है। वे आदिवासी समुदाय की सशक्त आवाज थीं और उनकी कला हमेशा इस बात की याद दिलाएगी कि भारतीय परंपराओं में कितना गहराई और सौंदर्य है। उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

भरोसेमंद पदोन्नत आईपीएस अफसर

कहा जा रहा है कि सीधी भर्ती वाले आईपीएस की जगह पदोन्नत आईपीएस अफसरों पर विष्णुदेव साय की सरकार ज्यादा भरोसा करने लगी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गृह जिले जशपुर के एसपी पदोन्नत आईपीएस शशि मोहन सिंह हैं तो बिलासपुर के एसपी भी प्रमोटी आईपीएस रजनेश सिंह हैं। गृहमंत्री के गृह जिले कवर्धा के एसपी भी प्रमोटी आईपीएस धर्मेंद्र छबाई हैं। सरकार ने सीधी भर्ती वाले आईपीएस संतोष कुमार सिंह को राजधानी रायपुर के एसपी पद से हटाकर प्रमोटी आईपीएस लाल उम्मेद सिंह को कमान सौंपी है। रायपुर और बिलासपुर छत्तीसगढ़ के दो महत्वपूर्ण जिले हैं। दोनों महत्वपूर्ण जिले में प्रमोटी आईपीएस को जिम्मेदारी सौंपने का मतलब साफ़ है कि सरकार सीधी भर्ती वालों से ज्यादा प्रमोटी आईपीएस पर भरोसा करने लगी है। अब चाहे जो भी कारण हो। सरकार ने कवर्धा कांड के बाद सीधी भर्ती वाले आईपीएस को हटाकर प्रमोटी राजेश अग्रवाल को भेजा था। यह अलग बात है कि उन्हें कुछ दिनों बाद बदल दिया गया। फिर दोबारा प्रमोटी को ही पदस्थ किया गया। बलौदाबाजार में भी कमान प्रमोटी आईपीएस विजय अग्रवाल के पास है। यहां भी सीधी भर्ती वाले आईपीएस को हटाकर प्रमोटी को भेजा गया।

छत्तीसगढ़ की सरकार चुनावी मोड में

छत्तीसगढ़ में अभी स्थानीय निकायों और पंचायतों के चुनाव की घोषणा नहीं हुई है, पर विष्णुदेव साय की सरकार लोकल बॉडी इलेक्शन के मोड में नजर आने लगी है। माना जा रहा है कि स्थानीय निकाय और पंचायत चुनाव की घोषणा दिसंबर के अंतिम सप्ताह में हो जाएगी। महापौर और नगर पालिका अध्यक्ष का चुनाव सीधे जनता करेगी। इस कारण इस चुनाव में सरकार की परीक्षा होनी है। इस चुनाव में साय सरकार के एक साल के कार्यकाल का निचोड़ सामने आ जाएगा। कहा जा रहा है कि नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव में बेहतर रिजल्ट के लिए पूरी सरकार तैयारियों में जुट गई है। वैसे रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की शानदार जीत से सरकार गदगद है। नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के लिए कांग्रेस ने भी कमर कसने का आव्हान किया है, पर लोकल बॉडी इलेक्शन में हमेशा सत्तारूढ़ दल का पलड़ा भारी दिखाई देता है। अब देखते हैं नतीजा क्या रहता है।

रायपुर जिले की कप्तानी में सीएम ने अपनी चलाई

कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने लाल उम्मेद सिंह को रायपुर का एसपी बनाकर प्रशासन में अपनी पसंद का संदेश दे दिया। रायपुर के एसपी बनने से पहले 2011 बैच के आईपीएस लाल उम्मेद सिंह पुलिस अधीक्षक मुख्यमंत्री सुरक्षा थे। कहते हैं भाजपा संगठन ,गृहमंत्री और अन्य लोगों की तरफ से रायपुर के पुलिस अधीक्षक को लेकर अलग-अलग नाम आए थे। चर्चा है कि कुछ लोग दुर्ग के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला को रायपुर लाने का सुझाव दिया था, तो एक व्यक्ति की तरफ से बलौदाबाजार के एसपी विजय अग्रवाल का नाम रखा गया था। मुख्यमंत्री को किसी ने अभिषेक पलल्व को रायपुर एसपी बनाने का भी सुझाव दिया। बताते हैं मुख्यमंत्री ने किसी की राय को तवज्जो दिए बिना लाल उम्मेद सिंह को रायपुर का एसपी बनाने का फैसला किया।

जीपी सिंह की बहाली से खुशी भी और खलबली भी

भूपेश बघेल के राज में सेवा से बर्खास्त 1994 बैच के आईपीएस जी पी सिंह की बहाली से पुलिस महकमे में खुशी भी है और खलबली भी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के बहाली आदेश के बाद जी पी सिंह शुक्रवार को जब रायपुर पहुंचे तो परिजनों और मित्रों के साथ कुछ पुलिस वालों ने भी फूलों से उनका स्वागत किया, वहीं कुछ अफसरों को भय सताने लगा है। खबर है कि शुक्रवार को एक आईपीएस अफसर को रायगढ़ में सत्यनारायण बाबा के दरबार में देखा गया। इस अफसर को जीपी सिंह के लिए गड्ढा खोदने वालों में अव्वल कहा जाता है। जी पी सिंह की बहाली से पुलिस मुख्यालय में बड़े उलटफेर की भी चर्चा है। 1994 बैच के आईपीएस हिमांशु गुप्ता डीजी प्रमोट हो गए हैं। वरिष्ठता सूची में हिमांशु गुप्ता से ऊपर जी पी सिंह का नाम है। माना जा रहा है राज्य सरकार जी पी सिंह का बहाली आदेश सोमवार या मंगलवार को जारी कर देगी। इसके बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

कांग्रेस नेता का राष्ट्रीय महामंत्री बनना ठंडे बस्ते में

कहते हैं छत्तीसगढ़ के एक कांग्रेस नेता का अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में महामंत्री बनना महीनों से लंबित पड़ा है। एक साल पहले तक इस नेता का दिल्ली दरबार में बड़ा दबदबा था और हाईकमान उनकी हर बात सुनता था। नेताजी की राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे तक सीधी पहुंच थी। राज्य में कांग्रेस की सत्ता जाने के बाद लग रहा था कि नेताजी को हाईकमान दिल्ली ले जाएगा। राष्ट्रीय महामंत्री बनाए जाने की बात भी चली थी। बताते हैं विरोधी इतने ताकतवर हो गए कि नेताजी की बात दिल्ली में बन नहीं पा रही है। चर्चा है कि विरोधियों के भले दिल और मन नहीं मिलते, लेकिन नेताजी को हासिये में रखने के लिए विरोधियों ने हाथ मिला लिया है।

कुलदीप जुनेजा महापौर की लाइन में

चर्चा है कि रायपुर महापौर की सीट सामान्य हुई तो पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा महापौर का चुनाव लड़ सकते हैं। कुलदीप जुनेजा विधायक का चुनाव लड़ने से पहले पार्षद थे। वे रायपुर उत्तर से दो बार विधायक रहे। 2023 का विधानसभा चुनाव हार गए। इस बार छत्तीसगढ़ में महापौर का प्रत्यक्ष चुनाव होना है, इस कारण कांग्रेस के कई नेताओं में स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर इच्छा जागृत हो गई है। नगर निगम के सभापति और पूर्व महापौर प्रमोद दुबे भी इस बार महापौर के लिए जोर आजमाइश करना चाहते है। बशर्ते सीटों के आरक्षण का नतीजा क्या निकलता है।

भूपेश बघेल के जमाने के अफसर

भूपेश बघेल के जमाने में छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के सदस्य सचिव बनाए गए 2006 बैच के आईएफएस अफसर अरुण प्रसाद पी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के राज में भी चल रहे हैं। इस बीच भाजपा राज में कई उलटफेर हो गए। यहां तक छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के दो अध्यक्ष भी बदल गए। भूपेश बघेल की सरकार ने अरुण प्रसाद पी को 21 जून 2023 को छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल का सदस्य सचिव बनाया था। अरुण प्रसाद पी जब पर्यावरण संरक्षण मंडल के सदस्य सचिव बने तब आईएएस सुब्रत साहू पर्यावरण संरक्षण मंडल के अध्यक्ष थे। भाजपा की सरकार ने पहले आईएएस आर. शंगीता को मंडल का अध्यक्ष बनाया। अब आईएएस अंकित आनंद पर्यावरण संरक्षण मंडल के अध्यक्ष हैं।

नए साल में आईएएस अफसरों में होगा बड़ा उलटफेर

चर्चा है कि नए साल में छत्तीसगढ़ के आईएएस अफसरों की पोस्टिंग में बड़ा उलटफेर होगा। बताते हैं इस हेरफेर में जिले से लेकर मंत्रालय तक के अफसर प्रभावित होंगे। कहा जा रहा है कि नए साल में 2009 बैच के आईएएस विशेष सचिव से पदोन्नत होकर सचिव बन जाएंगे, वहीं कुछ अफसर संयुक्त सचिव से विशेष सचिव और कुछ उप सचिव से संयुक्त सचिव बन जाएंगे। 2009 बैच के आईएएस अवनीश शरण अभी बिलासपुर कलेक्टर और बिपिन मांझी नारायणपुर के कलेक्टर हैं। कहा जा रहा है कि पदोन्नति के बाद इनकी फील्ड से वापसी हो जाएगी। बिपिन मांझी मई 2025 में रिटायर होने वाले हैं।